मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 263
सोमवार, 14 अप्रैल 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

देशभर में दो साल में 10 लाख करोड़ रुपये की राजमार्ग परियोजनाएं शुरू करेगी सरकार : नितिन गडकरी

नई दिल्ली, 13 अप्रैल। केंद्र सरकार देशभर में राजमार्गों को मजबूत करने के लिए अगले दो साल में 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम पूर्वोत्तर क्षेत्र पर विशेष ध्यान देंगे, जहां की सड़कें अमेरिका की सड़कों के समान होंगी।गडकरी ने कहा कि केंद्र सरकार अगले दो साल में देश के बुनियादी ढांचे में आमूलचूल बदलाव लाने के लिए काम कर रही है, ताकि यह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ के बराबर हो।गडकरी ने कहा, हम अगले दो साल में देशभर में राजमार्गों को मजबूत करने के लिए 10 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें पूर्वोत्तर और सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। आने वाले दो वर्षों में पूर्वोत्तर के राजमार्ग अमेरिकी सड़कों के बराबर हो जाएंगे।उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के कठिन भूभाग और सीमाओं से निकटता को देखते हुए यहां सड़क बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की तत्काल जरूरत है। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास देश के बुनियादी ढांचे में आमूलचूल बदलाव लाना है, ताकि यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बुनियादी ढांचे के बराबर हो जाए।उन्होंने बताया कि इस दिशा में महाराष्ट्र, गुजरात,

आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, राजस्थान और दिल्ली सहित सभी राज्यों में काम चल रहा है। गडकरी ने कहा कि पूर्वी राज्यों में 3,73,484 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 784 राजमार्ग परियोजनाएं क्रियान्वित की जाएंगी, जिनके तहत 21,355 किलोमीटर सड़क आएंगी।उन्होंने कहा कि इनमें सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) की परियोजनाएं शामिल हैं। गडकरी ने बताया, हमारे पास फिलहाल असम में 57,696 करोड़ रुपये और बिहार में लगभग 90,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं हैं। हम पश्चिम बंगाल में 42,000 करोड़ रुपये से अधिक, झारखंड में लगभग 53,000 करोड़ रुपये और ओडिशा में लगभग 58,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं भी शुरू कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, असम को छोड़कर पूर्वोत्तर में हम इस साल ही करीब एक लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू कर रहे हैं। गडकरी ने कहा कि नागपुर में 170 करोड़ रुपये की लागत से एक मास रैपिड ट्रांसपोर्ट पायलट परियोजना चल रही है।उन्होंने कहा कि इस परियोजना में 135 सीटों वाली बस शामिल है जो प्रदूषण नहीं फैलाने वाले ऊर्जा स्रोतों पर चलेगी और इसके अत्यधिक लागत प्रभावी होने की उम्मीद है। अगर यह सफल रही तो इसे बनाओ-चलाओ-स्थानांतरित करो (बीओटी) मॉडल के तहत दिल्ली-जयपुर खंड सहित देशभर के महत्वपूर्ण मार्गों पर दोहराया जाएगा।मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क की लंबाई में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो मार्च, 2014 के 91,287 किलोमीटर से बढ़कर वर्तमान में 1,46,204 किलोमीटर हो गया है। इसके अलावा मानदंडों में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि दो लेन से नीचे के राष्ट्रीय राजमार्गों का अनुपात तेजी से कम हुआ है।

उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में एक घर में आग लगने से महिला और दो बच्चों की मौत

बस्ती, 13 अप्रैल। बस्ती जिले के हरैया कस्बे में रविवार तड़के एक घर में आग लगने के बाद दम घुटने से एक महिला और उसके दो बच्चों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना हरैया थाना क्षेत्र के सराफा मंडी की है जहां सुनील केसरवानी के तीन मंजिला मकान में अचानक आग लग गई।उसने बताया कि घर के अंदर अचेत अवस्था में मिले सुनील, उनकी पत्नी पूजा (30), उनकी बेटी सौरभी (चार) तथा तीन माह के बेटे बाबा को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।पुलिस ने बताया कि चिकित्सकों ने पूजा और दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया जबकि सुनील को बेहतर उपचार के लिए अयोध्या रेफर किया गया है।

चिकित्सक डॉ. नंदलाल यादव ने बताया कि कमरे में ज्यादा धुआं भरने के कारण दम घुटने से मौत हुई है क्योंकि किसी के शरीर पर झुलसने के निशान नहीं मिले हैं।

पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उसने बताया कि आग संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण लगी होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने जलियांवाला बाग हत्याकांड के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड के शहीदों को रविवार को श्रद्धांजलि दी और कहा कि ह्यआने वाली पीढ़ियां हमेशा उनके अदम्य साहस को याद रखेंगी।

औपनिवेशिक शासन को दमनकारी शक्तियां प्रदान करने वाले रॉलेट एक्ट के खिलाफ शांतिपूर्वक विरोध कर रहे सैकड़ों लोगों को 1919 में आज ही के दिन अमृतसर के जलियांवाला बाग में बिना किसी उकसावे के ब्रिटिश सेना ने गोलियों से भून दिया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हम जलियांवाला बाग के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं। आने वाली पीढ़ियां उनके अदम्य साहस को हमेशा याद रखेंगी। उन्होंने कहा, यह वास्तव में हमारे देश के इतिहास का एक काला अध्याय था। उनका बलिदान भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण मोड़ बन गया।

रैली की अनुमति वापस लेने की अपील

दार्जिलिंग। दार्जिलिंग लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद राजू बिष्ट ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एक पत्र लिखा है। इस पत्र के माध्यम से उन्होंने सिलीगुड़ी में एक इस्लामी संगठन को वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध में रैली आयोजित करने की अनुमति दिए जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। सांसद राजू बिष्ट ने मुख्यमंत्री से यह आग्रह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संभावित खतरों का हवाला देते हुए किया है। उनका मानना है कि इस रैली से क्षेत्र में अशांति फैल सकती है और यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक चुनौती बन सकता है। भाजपा सांसद ने अपने पत्र में उस इस्लामी समूह द्वारा 15 अप्रैल को सिलीगुड़ी में आयोजित होने वाली रैली का विशेष रूप से उल्लेख किया है। उन्होंने बताया कि उन्हें इस रैली को लेकर कई गंभीर सूचनाएं मिली हैं जो चिंताजनक हैं।

बंगाल के बाहर से मुसलमानों के एकत्र होने का लगाया आरोप बिष्ट ने अपने पत्र में यह भी आरोप लगाया है कि इस रैली में शामिल होने के लिए न केवल पश्चिम बंगाल से बल्कि राज्य के बाहर से भी बड़ी संख्या में मुसलमान एकत्र हो रहे हैं। उन्होंने इस जमावड़े के उद्देश्य पर सवाल उठाए हैं। सांसद ने और भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह इस्लामी समूह क्षेत्र में हिंसा भड़काने का काम कर रहा है ।

अवैध बोरवेल से पानी निकालना पाप से कम नहीं: दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली, 13 अप्रैल। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि अवैध बोरवेल से पानी निकालना पाप से कम नहीं है, ऐसा करने वालों पर रोक लगाई जानी चाहिए। उच्च न्यायालय ने कहा कि अगर ऐसे अवैध बोरवेल बंद नहीं किए गए, तो दिल्ली को कुछ साल पहले दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में बने हालात जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है, जहां पानी के लिए हाहाकार मच गया था।

मुख्य न्यायाधीश डी. के उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने नौ अप्रैल को कहा, किसी तरह की रोक लगाने की जरूरत है। अवैध बोरवेल जिस तरह से जल स्तर को कम कर रहे हैं, वह किसी

पाप से कम नहीं है। क्या आप जानते हैं कि जोहानिसबर्ग में क्या हुआ था? कुछ साल पहले शहर में कई महीनों तक पानी नहीं था। उन्हें बड़े जल संकट का सामना करना पड़ा। क्या आप चाहते हैं कि दिल्ली में भी ऐसी स्थिति आए? अदालत ने नगर निगम अधिकारियों से सवाल किया कि वे निर्माण कार्यों के लिए बोरवेल की अनुमति कैसे दे सकते हैं। अदालत वकील सुनील कुमार शर्मा की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें दावा किया गया था कि रोशनआरा इलाके में गोयनका रोड पर एक निमार्णाधीन इमारत में कई बोरवेल या सबमर्सिबल पंप अवैध रूप से लगाए गए हैं। याचिका में इन्हें हटाने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता ने अदालत को यह भी बताया कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) आवेदन में जवाब दिया है कि इमारत में छह बोरवेल लगे हुए पाए गए।शर्मा ने कहा कि जबकि दरियागंज के एसडीएम ने आरटीआई आवेदन में जवाब दिया है कि इमारत में तीन बोरवेल पाए गए, जिन्हें सील कर दिया गया है। अदालत ने एमसीडी, दिल्ली जल बोर्ड (डीजेही) और क्षेत्र के एसएचओ को संपत्ति का संयुक्त सर्वेक्षण करने का आदेश दिया। पीठ ने कहा, ऐसी अवैध गतिविधियों के कारण लगातार घटते जल स्तर को देखते हुए, हम एमसीडी आयुक्त, दिल्ली जल बोर्ड के सीईओ और संबंधित थाने के एसएचओ द्वारा नामित उच्च पदस्थ अधिकारियों की एक टीम को इमारत का सर्वेक्षण करने का निर्देश देते हैं।

आतिशी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के पति पर सरकारी कामकाज चलाने का लगाया आरोप

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को उस समय एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया जब विपक्ष की नेता आतिशी ने आरोप लगाया कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के पति दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी), लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डीयूएसआईबी) के वरिष्ठ अधिकारियों की एक आधिकारिक बैठक में मौजूद थे।

भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इसका जवाब देते हुए आतिशी पर अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया। सचदेवा ने रेखा गुप्ता का बचाव करते हुए एक्स

पर लिखा कि वह कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से इस पद तक पहुंची हैं और परिवार के सदस्यों द्वारा जन प्रतिनिधियों का समर्थन करना बिल्कुल सामान्य बात है।

आतिशी ने एक्स पर एक तस्वीर साझा करते हुए आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार को मुख्यमंत्री के पति चला रहे हैं। उन्होंने इस स्थिति की तुलना गांवों में अक्सर देखी जाने वाली स्थिति से की।

आतिशी ने अपनी पोस्ट में कहा, इस तस्वीर को ध्यान से देखिए। जो व्यक्ति एमसीडी, डीजेबी, पीडब्ल्यूडी और डीयूएसआईबी के अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं, वह दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के पति हैं। उन्होंने कहा, पहले हम सुनते थे कि अगर गांव में कोई महिला सरपंच चुनी जाती है, तो सारा सरकारी काम उसका पति संभालता है... लेकिन देश के इतिहास में यह पहली बार हुआ होगा कि एक महिला मुख्यमंत्री बनी और सारा सरकारी काम उनके पति संभाल रहे हैं।

मंगलुरु को शीघ्र ही वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की सुविधा मिलेगी: रेल राज्य मंत्री

नई दिल्ली, 13 अप्रैल। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने यहां घोषणा की कि मंगलुरु को शीघ्र ही वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की सुविधा मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ने शनिवार को यहां मंगलुरु सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह घोषणा की जिसमें उन्होंने मंगलुरु सेंट्रल-कबक पुत्तूर रेल सेवाओं के सुब्रह्मण्य रोड तक विस्तार को हरी झंडी दिखाई।

मंगलुरु सेंट्रल-कबक पुत्तूर तक चलने वाली चार यात्री रेल सेवाओं का सुब्रह्मण्य रोड तक विस्तार किया गया है जिससे क्षेत्र के रेल यात्रियों, विशेषकर

सुब्रह्मण्य जाने वाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा होगी।

इस कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान सोमन्ना ने घोषणा की, मंगलुरु को जल्द ही वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की सुविधा भी मिलेगी जिससे लंबी दूरी के यात्री और अधिक आरामदायक यात्रा का अनुभव कर सकेंगे। मंगलुरु और कर्नाटक को इस तरह की ट्रेन सुविधाएं देने और सेवाओं का विस्तार करने के लिए केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रशंसा की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सोमन्ना के साथ दक्षिण कन्नड़ के सांसद कैप्टन बृजेश चौटा और कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यू.टी. खादर भी उपस्थित थे।

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्या एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.अो.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद,जौनपुर

जरूरतमंद सीनियर सिटिजन के बेहतर देख-भाल हेतु समर्पित संस्था
YASHOJYOTI FOUNDATION'S
(MAHA/1211/2013/THANE)
ज्योति ओल्ड एज होम
JYOTI OLD AGE HOME
WE SERVICE FOR HUMANITY
Home For Aged, Senior Citizans, Pentioners Paralysis,

Dr. Jyoti MD (AM)

• Diabetic, Bed Ridden Patients.,• Paralysis, Alzheimer's dementia, post operative, palliative care schizophrenia, Treatement if needed., • Food Will Be Served Breakfast Lunch, Supple Dinner. (Veg & Non Veg), • Entertainment: Tv, Tape, News Paper, Indoor Games, Ample Place For Walking, Yoga., • 24x7 Ward Boy, Aaya, Atendant To Take Care., • Doctor's visit every day., • Specialist (Psyciaric, Dentist, Cardiologyst, physcian) visit on c, • Ambulance service on call., •
CONTACT NO.- 9820674896/9664682587
Padmakar Mhatre Hospital, Opp. Kakad Paradise, Penkar Pada, Mira Road (E), Thane - 401 107.

राष्ट्र के सजग पथ प्रदर्शक थे डा. आम्बेडकर

14 अप्रैल जयन्ती पर विशेष

-रमेश सर्राफ धमोरा

बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर हमारे देश के संविधान के निमार्ता ही नहीं अपितु दुनिया के सबसे बड़े राजनेताओं में से एक थे। उनकी दूर दृष्टि, उनके ज्ञान, लोगों को समझने का उनका नजरिया, जाति प्रथा के विरुद्ध उनके तेवर को देखते हुए ही उन्हें भारतीय संविधान सभा का अध्यक्ष चुना गया था। ताकि भारत का संविधान दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधान में से एक हो। आज हम देखते हैं कि बाबा साहेब आम्बेडकर के नेतृत्व में रचित भारत का संविधान हमारे लोकतंत्र का एक सजग प्रहरी बनकर खड़ा हुआ है। जहां कहीं भी सरकार द्वारा नियम विरुद्ध कुछ किया जाता है तो संविधान उन्हें उनके कर्तव्य पथ की याद दिलाकर सही राह पर चलने की प्रेरणा देता है। भारत का संविधान आज दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधान में से एक माना जाता है जिसका श्रेय बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर को जाता है। डॉ. भीमराव आम्बेडकर का जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक है क्योंकि इसने भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था को आकार देने में मदद की। पुरानी और पुरातन मान्यताओं से प्रगति लाकर भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बनाया। बाबासाहेब भीमराव आम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के मऊ में एक गरीब परिवार मे हुआ था। वो भीमराव रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14 वीं सन्तान थे। उनका परिवार

मराठी था जो महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले मे स्थित अम्बावडे नगर से सम्बंधित था। उनके बचपन का नाम रामजी सकपाल था। वे हिंदू महार जाति के थे जो अछूत कहे जाते थे। उनकी जाति के साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। एक अस्पृश्य परिवार में जन्म लेने के कारण उनको बचपन कष्टों में बिताना पड़ा था।

देश में हर वर्ष 14 अप्रैल को बाबासाहेब डा.भीमराव आम्बेडकर की जयन्ती मनायी जाती है। बाबासाहेब की जयन्ती पर लोगों को संकल्प लेना चाहिये कि हम सब सच्चे मन से उनके बताये मार्ग का अनुशरण करेगें। उनके बनाये संविधान का पालन करेगें। ऐसा कोई काम नहीं करेगें जिससे देश के किसी कानून का उल्लघंन होता हो। चूंकि बाबासाहेब हमेशा जाति प्रथा, ऊंच नीच की बातों के विरोधी थे। इसलिये उनकी जयन्ती पर उनको श्रधांजली देने का सबसे अच्छा तरीका है उनके सिद्धांतो को अपने जीवन में अपनाये। बाबा साहेब आम्बेडकर कुल 64 विषयों में मास्टर थे। वे हिन्दी, पाली, संस्कृत, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, मराठी, पर्शियन और गुजराती जैसे 9 भाषाओं के जानकार थे। इसके अलावा उन्होंने लगभग 21 साल तक विश्व के सभी धर्मों की तुलनात्मक रूप से पढाई की थी। डॉक्टर आम्बेडकर अकेले ऐसे भारतीय है जिनकी प्रतिमा लंदन संग्राहलय में कार्ल मार्क्स के साथ लगाई गई है। इतना ही नहीं उन्हें देश विदेश में कई प्रतिष्ठित सम्मान भी मिले है। भीमराव आंबेडकर के पास कुल 32 डिग्री थी। डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर के निजी पुस्तकालय राजगृह में 50 हजार से भी अधिक किताबें थी। यह विश्व का सबसे बडा निजी पुस्तकालय था।

बाबा साहब का मानना था कि वर्गहीन समाज गढने से पहले समाज को जाति विहीन करना होगा। आज महिलाओं को अधिकार दिलाने के लिए हमारे पास जो भी संवैधानिक सुरक्षाकवच, कानूनी प्रावधान और संस्थागत उपाय मौजूद हैं। इसका श्रेय किसी एक मनुष्य को जाता है वे हैं डॉ. भीमराव आम्बेडकर। भारतीय संदर्भ में जब भी समाज में व्याप्त जाति, वर्ग और लिंग के स्तर पर व्याप्त असमानताओं और उनमें सुधार के मुद्दों पर चिंतन हो तो डॉ. आंबेडकर के विचारों और दृष्टिकोण को शामिल किए बिना बात पूरी नहीं हो सकती। भारतीय संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव आम्बेडकर का सपना था कि भारत जाति-मुक्त हो, औद्योगिक राष्ट्र बने, सदैव लोकतांत्रिक बना रहे। लोग आम्बेडकर को एक दलित नेता के रूप में जानते है। जबकि उन्होने बचपन से ही जाति प्रथा का खुलकर विरोध किया था। उन्होने जातिवाद से मुक्त आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ भारत का सपना देखा था। मगर देश की गन्दी राजनीति ने उन्हे सर्वसमाज के नेता के बजाय दलित समाज का नेता के रूप में स्थापित कर दिया। डा.आम्बेडकर का एक और सपना भी था कि दलित धनवान बनें। वे हमेशा नौकरी मांगने वाले ही न बने रहें अपितु नौकरी देने वाले बनें। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो आम्बेडकर संभवतः पहले अध्येता रहे हैं। जिन्होंने जातीय संरचना में महिलाओं की स्थिति को समझने की कोशिश की थी। उनके संपूर्ण विचार मंथन के दृष्टिकोण में सबसे महत्वपूर्ण मंथन का हिस्सा महिला सशक्तिकरण था। आम्बेडकर यह बात समझते थे कि स्त्रियों की स्थिति सिर्फ ऊपर से उपदेश देकर नहीं सुधरने वाली, उसके लिए कानूनी व्यवस्था करनी होगी। हिंदू कोड बिल महिला सशक्तिकरण का असली आविष्कार है। इसी कारण आंबेडकर हिंदू कोड बिल लेकर आये थे। हिंदू कोड बिल भारतीय महिलाओं के लिए सभी मर्ज की दवा थी। पर अफसोस यह बिल संसद में पारित नहीं हो पाया और इसी कारण आम्बेडकर ने कानून मंत्री पद का इस्तीफा दे दिया था। डा.भीमराव आम्बेडकर का मानना था कि भारतीय महिलाओ के पिछड़ेपन की मूल वजह भेदभावपूर्ण समाज व्यवस्था और शिक्षा का अभाव है। शिक्षा में समानता के संदर्भ में आंबेडकर के विचार स्पष्ट थे। उनका मानना था कि यदि हम लडकों के साथ-साथ लड़कियों की शिक्षा पर ध्यान देने लग जाए तो प्रगति कर सकते है। शिक्षा पर किसी एक ही वर्ग का अधिकार नहीं है। समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षा का समान अधिकार है। नारी शिक्षा पुरुष शिक्षा से भी अधिक महत्वपूर्ण है। चूंकि पूरी पारिवारिक व्यवस्था की धुरी नारी है उसे नकारा नहीं जा सकता है।

जब 15 अगस्त 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली नई सरकार बनी तो उसमें डा.आम्बेडकर को देश का पहले कानून मंत्री नियुक्त किया गया। 29 अगस्त 1947 को डा.आम्बेडकर को स्वतंत्र भारत के नए संविधान की रचना कि लिए बनी संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष नियुक्त किया गया। 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने उनके नेतृत्व में बने संविधान को अपना लिया। अपने काम को पूरा करने के बाद बोलते हुए डा.आम्बेडकर ने कहा मैं महसूस करता हूं कि भारत का संविधान साध्य है, लचीला है पर साथ ही यह इतना मजबूत भी है कि देश को शांति और युद्ध दोनों समय जोड़ कर रखने में सक्षम होगा। मैं कह सकता हूं कि अगर कभी कुछ गलत हुआ तो इसका कारण यह नही होगा कि हमारा संविधान खराब था बल्कि इसका उपयोग करने वाला मनुष्य ही गलत था। आम्बेडकर ने 1952 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे लोक सभा का चुनाव लड़ा पर हार गये। मार्च 1952 मे उन्हें राज्य सभा के लिए मनोनित किया गया। अपनी मृत्यु तक वो उच्च सदन के सदस्य रहे। डा.आम्बेडकर ने 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में अपने लाखों समर्थकों के साथ एक सार्वजनिक समारोह में एक बौद्ध भिक्षु से बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया। राजनीतिक मुद्दों से परेशान आम्बेडकर का स्वास्थ्य बिगड़ता चला गया। 6 दिसम्बर 1956 को आम्बेडकर की नींद में ही दिल्ली स्थित उनके घर मे मृत्यु हो गई। 7 दिसम्बर को बम्बई में चौपाटी समुद्र तट पर बौद्ध शैली मे उनका अंतिम संस्कार किया गया जिसमें उनके हजारों समर्थकों, कार्यकताओं और प्रशंसकों ने भाग लिया। 1990 में बाबासाहेब डा.आम्बेडकर को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। सरकारों की उपेक्षा के चलते बाबा साहेब को भारत रत्न सम्मान बहुत देर से प्रदान किया गया। जिसके वे सबसें पहले हकदार थे। आम्बेडकर के दिल्ली स्थित 26 अलीपुर रोड के उस घर में एक स्मारक स्थापित किया गया है जहां वो सांसद के रूप में रहते थे। देश भर में आम्बेडकर जयन्ती पर सार्वजनिक अवकाश रखा जाता है। अनेको सार्वजनिक संस्थानो का नाम उनके सम्मान में उनके नाम पर रखा गया है। आम्बेडकर का एक बड़ा चित्र भारतीय संसद भवन में लगाया गया है। बाबा साहब ने शिक्षित बनों, संगठित रहो तथा संघर्ष करो का नारा दिया था। शिक्षित बनने का अर्थ है कि हमारे ज्ञान के द्वार खुलते हैं और संगठित रहो का मतलब शक्ति प्राप्त करना हैं।

गुजरात में कांग्रेस का अधिवेशन बनाम ढाक के तीन पात

अशोक भाटिया

गुजरात में अधिवेशन कर कांग्रेस पार्टी लंबे समय से बीजेपी का गढ़ रहे राज्य में अपनी राजनीतिक ताकत को पुनर्जीवित करना चाहती थी । इसी के साथ कांग्रेस अपने जिला समितियों को भी उत्साहित करना चाहती थी थी कि आने वाले चुनावों को लेकर तैयार रहे।हाल ही में कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व दिल्ली में तीन बैचों में 862 जिला अध्यक्षों से मिल चुका है, जहां उन्हें मिलने वाले 'अभूतपूर्व अधिकार' के बारे में संकेत दिया गया था । जिला अध्यक्षों की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने जिला अध्यक्षों से कहा था कि पार्टी के विचारों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने में उनकी भूमिका अहम है।साल 2025 को संगठनात्मक पुनर्गठन के वर्ष के रूप में पहचान करते हुए, कांग्रेस गुजरात पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हुए आक्रामक रुख अपना रही है, जो महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमि है और जहां से उसके मुख्य प्रतिद्वंद्वी नरेंद्र मोदी आते हैं।गुजरात में कांग्रेस अधिवेशन कर अपने कैडर को यह भी संदेश देना चाह रही थी कि वह प्रदेश में अपनी पहचान नहीं खोई है और वह मोदी और उनकी पार्टी बीजेपी से मुकाबले को तैयार है। अधिवेशन के लिए गुजरात के चुनाव पर वरिष्ठ पत्रकार मीनू जैन कहती हैं पिछले 10 साल से केंद्र में मोदी और अमित शाह काबिज हैं और दोनों ही गुजरात से आते हैं और कांग्रेस को वहां अपनी उपस्थिति दिखाना चाहती थी ।

गौरतलब है कि 1960 में गुजरात राज्य के निर्माण के बाद, 1961 में भावनगर में अखिल भारतीय कांग्रेस सम्मेलन आयोजित किया गया था। यह पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, मोरारजी देसाई, उच्छंगराय ढेबर की उपस्थिति में आयोजित किया गया था। नीलम संजीव रेड्डी ने 1961 में कांग्रेस के 66वें सत्र की अध्यक्षता की थी। स्वागत समारोह था ठाकोरभाई देसाई। महासचिव जी. राजगोपालन, सादिक अली और महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री यशवंतराव चव्हाण भी मौजूद थे। बलवंत राय मेहता खुद भावनगर में पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित करने पर जोर दे रहे थे। उस समय पंडित नेहरू की लोकप्रियता काफी ज्यादा थी। चाचा नेहरू के दर्शन के लिए हजारों लोग भावनगर पहुंचे थे। भावनगर अधिवेशन में कांग्रेस ने राष्ट्रीय एकता समिति के गठन की घोषणा की और इंदिरा गांधी को समिति की अध्यक्षता की जिम्मेदारी सौंपी गई।

नीलम संजीव रेड्डी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा था कि कांग्रेस पार्टी में अनुशासन बनाए रखा जाना चाहिए और पार्टी कार्यकताओं में मिशन की भावना पैदा की जानी चाहिए। अगले साल (1962) चुनाव होंगे, लोगों को आसानी से समझ लेना चाहिए कि हम क्यों खड़े हैं, हम चुनाव क्यों लड़ रहे हैं।अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की बारी थी कि उन्होंने वही शब्द कहे जो नीलम संजीव रेड्डी ने 64 साल पहले अहमदाबाद में एक सम्मेलन में कहे थे। आजादी के बाद से देश और लगभग सभी राज्यों में कांग्रेस पार्टी सत्ता में थी। राष्ट्रीय स्तर पर कोई मजबूत और मजबूत विकल्प नहीं था जो कांग्रेस को चुनौती दे। कांग्रेस केंद्र में सत्ता में नहीं है। इनमें से दो कार्यकालों के लिए, 2014 से 2024 तक, कांग्रेस लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद भी नहीं पा सकी क्योंकि उसके पास पर्याप्त संख्या नहीं थी। 10 साल के अंतराल के बाद पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में 100 सांसद चुने जाने के बाद कांग्रेस को विपक्ष के नेता का पद मिला है। लोकसभा और राज्यसभा दोनों में विपक्ष के नेता का पद कांग्रेस के पास है। चुनावी राजनीति में कांग्रेस असफल क्यों हो रही है?

अहमदाबाद में कांग्रेस अधिवेशन में जब मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी मंच पर मौजूद थे, तब देश के कुछ पदाधिकारियों, विशेषकर महिलाओं ने कड़ा रुख अपनाया और कहा कि पार्टी की बार-बार विफलताओं के लिए पार्टी के कुछ नेता जिम्मेदार हैं। राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से कश्मीर और मणिपुर से मुंबई तक दो पदयात्राएं निकालीं। हजारों लोग उनके साथ चले। इसका स्वागत किया गया। तो कांग्रेस ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव क्यों नहीं जीते? सत्र में यह भी आरोप लगाया गया कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व पार्टी के लिए कड़ी मेहनत करता है, चुनाव के दौरान चौबीसों घंटे कोशिश करता है, लेकिन पार्टी में कुछ गद्दार कैसे ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे पार्टी हार जाएगी। राहुल गांधी कांग्रेस कार्यकताओं की एकमात्र उम्मीद हैं। जब वह पार्टी में सक्रिय या सक्रिय होते हैं, तो पार्टी में कुछ न कुछ जान होती है, लेकिन इस बीच वह गायब हो जाते हैं, छुट्टी पर चले जाते हैं या विदेश चले जाते हैं। तो आपको किस पर भरोसा करना चाहिए? यह सवाल कार्यकर्ता पूछते हैं। कांग्रेस के पास राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर नेतृत्व नहीं है जो कार्यकताओं को ऊर्जा दे सके, राज्य में कार्यकताओं को सक्रिय रख सके। पार्टी के पास ऐसा कोई नेता नहीं है जो युवाओं को कांग्रेस की ओर आकर्षित करे। तो पार्टी का विकास कैसे होगा?

अगर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष का एक बेटा भाजपा में है और दूसरा क्षेत्रीय पार्टी में है, तो उन जिलाध्यक्षों पर कौन भरोसा करेगा? पार्टी को जुमार्ना लगाना चाहिए कि प्रदेश अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष या नगर अध्यक्ष चुनाव न लड़ें। ऐसे पदों पर बैठे नेता पार्टी का नामांकन करवाते हैं और अपने दम पर चुनाव लड़ते हैं, इसलिए उन्हें पार्टी के अन्य उम्मीदवारों के प्रचार पर ध्यान देने का समय नहीं मिलता है। अगर प्रदेश अध्यक्ष या जिलाध्यक्ष अपने ही निर्वाचन क्षेत्र में फंस गए हैं तो पार्टी के अन्य उम्मीदवार कैसे चुने जाएंगे? उन्हें चुनाव साजो-सामान कौन मुहैया कराएगा?

अहमदाबाद में सत्र में राहुल गांधी के भाषण में भी यही मुद्दे थे। उन्होंने संसद में वक्फ विधेयक पर बहस में भाग नहीं लिया। यदि विपक्ष के नेता संवेदनशील मुद्दे पर नहीं बोलते हैं, तो विपक्षी बेंचों के सदस्यों को क्या संदेश जाएगा? जब इस मुद्दे पर चर्चा चल रही थी, तब प्रियंका गांधी वाड्रा संसद में भी नहीं आईं, इसलिए पार्टी को क्या सीखना चाहिए?

उम्मीद थी कि कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन दिल्ली, महाराष्ट्र और हरियाणा में लोकसभा और विधानसभा चुनावों में हार पर आत्ममंथन करेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। किसी ने नहीं बताया कि हम कहां कम पड़ रहे हैं। राहुल गांधी का भाषण वह कह रहा है। उनका हर भाषण आरएसएस की आलोचना करता है। वह कहते हैं कि केवल कांग्रेस ही भाजपा और आरएसएस को रोक सकती है। फिर पिछले 11 वर्षों से हर चुनाव में, कांग्रेस पार्टी कहती रही है कि केवल कांग्रेस ही भाजपा और आरएसएस को रोक सकती है। उसे सपाट क्यों मारा जा रहा है? पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, तमिलनाडु में एमके स्टालिन, उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव और जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला ने भाजपा को चुनौती दी है। भाजपा आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू और बिहार में नीतीश कुमार को घेरने को मजबूर है, लेकिन उन राज्यों में भी कांग्रेस तीसरे या चौथे स्थान पर है। बांग्लादेश के राष्ट्रपति इसका विपरीत जवाब देते हैं और उनके साथ बैठे मोदी जी चुप रहते हैं। यह राहुल को रास नहीं आया। राहुल रामलीला मैदान में आरएसएस पर राज्य के संविधान को जलाने का आरोप लगाते हैं या महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव एक बड़ा घोटाला है, लेकिन देश में कहीं भी कोई प्रतिक्रिया नहीं है, तो वे एक ही बात को बार-बार कहने से क्या हासिल करते हैं? भाजपा, आरएसएस और सावरकर राहुल गांधी की आलोचना के पसंदीदा विषय हैं, लेकिन पार्टी को चुनावों में इसका लाभ नहीं मिलता है।

मल्लिकार्जुन खड़गे बार-बार की विफलताओं से परेशान हैं। हार की श्रृंखला खत्म नहीं हुई है और गतिरोध नहीं टूटा है। कांग्रेस के पास भाजपा की तरह चुनाव प्रबंधन नहीं है, कार्यकताओं की एक संगठित सेना, आरएसएस का एक वफादार कैडर और मोदी और शाह जैसा मजबूत नेतृत्व नहीं है। यह कहना कि भाजपा पार्टी को कमजोर करने के लिए पार्टी के शक्तिशाली नेताओं को खींच रही है, अब पार्टी के नियंत्रण में नहीं है। यह स्वीकार करने लायक है। खड़गे ने काम नहीं करने वालों को घर बैठे रहने की चेतावनी दी है। कांग्रेस चुनाव अवधि के दौरान भाजपा की तरह मतदाता सूची के लिए एक पन्ना प्रमुख नियुक्त करने की योजना बना रही है। अब से एक परिवार को सिर्फ एक ही नॉमिनेशन मिलेगा। खड़गे ने घोषणा की कि उन्हें पांच साल से अधिक समय तक पद नहीं मिलेगा, 50 प्रतिशत पद 50 वर्ष से कम आयु के श्रमिकों को जाएंगे। खड़गे का कहना है कि भाजपा की रणनीति कांग्रेस को कमजोर रखने की है। क्या वह चाहते हैं कि भाजपा कांग्रेस को शक्तिशाली बनाने के लिए काम करे? मोदी को गुजरात में सरदार वल्लभभाई पटेल की मूर्ति बनाए सात साल हो चुके हैं, अब कांग्रेस की बारी है कि वह कहे कि वल्लभभाई पटेल हमारे नेता हैं। कांग्रेस की सरकार केवल तीन राज्यों - कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में है। लेकिन गुजरात में मोदी-शाह के सत्ता में आने का सपना देखना कांग्रेस का दिवास्वप्न है। काट साट कर कहा जा सकता है कि अहमदाबाद जहाँ भाजपा का बोलबाला है वहां कांग्रेस का अधिवेशन ढाक के तीन पात ही कहा जा सकता है ।

कश्मीर बनते पश्चिम बंगाल में कब लगेगा राष्ट्रपति शासन?

-सुरेश गांधी

हो जो भी पश्चिम बंगाल के हालात तो यही बता रहे हैं कि मिनी कश्मीर बनने की हालत में खड़ा है पश्चिम बंगाल। देश का इकलौता ऐसा राज्य है, जहां हर महीने कभी पर्वो के नाम पर तो कभी तुष्टिकरण के सियासी नारों के चलते हिंसा होती रहती है। हाल यह है कि पश्चिम बंगाल, राजनीतिक हिंसा के अपने रक्त चरित्र की वजह से पूरे देश में खराब छवि बना चुका है। कोई भी स्वतंत्र नहीं घूम सकता। मतलब साफ है पश्चिम बंगाल भ्रष्टाचार और सांप्रदायिक हिंसा का अड्डा बन गया है। बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत धूमिल हो रही है। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है कश्मीर बनते पश्चिम बंगाल में कब लगेगा राष्ट्रपति शासन?

फिरहाल, पश्चिम बंगाल में हिंसा का नग्न तांडव जारी है। राज्य में अब हिंदू सुरक्षित नहीं हैं। हालात बद से बदतर हो चुकी है. एक वर्ग के लोग हिन्दुओं के घर से खींच-खीच कर मार रहे हैं, लहूलुहान कर रहे है। विरोध प्रदर्शन के नाम पर मुर्शिदाबाद में घरों से खींच कर तीन लोगों जिंदा जला दिया गया। धुलियान में हिंदुओं की दर्जनों दुकानों को लूटा गया. हिंसा का हाल यह है वहां हिंदू त्योहार मनाने के लिए कोर्ट जाना पड़ता है. यह सब ममता बनर्जी तुष्टीकरण की राजनीति के चलते हो रहा है। हिंसा के हालात इतने बिगड़ गए है कि जो काम केन्द्र सरकार को करना चाहिए वह काम कलकत्ता हाई कोर्ट के जरिए हिंसा ग्रस्त इलाकों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की तैनाती का आदेश देना पड़ा। आदेश में साफ-साफ कहा गया है कि हिंसा को रोकने के लिए बंगाल सरकार ने पर्याप्त कदम नहीं उठाए हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में समुदायों के बीच हिंसा की लगातार घटनाएं हुई हैं। आज तक व्याप्त अशांत स्थिति को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। मतलब साफ है वक्फ वोर्ड की आड़ में पश्चिम बंगाल में एक वर्ग को खुली छूट देकर हिन्दुओं का कत्लेआम कराया जा रहा है। कुछ लोगों ने तो स्थिति की तुलना 1990 में कश्मीरी पंडितों के पलायन से करते हुए चेतावनी दी कि अगर तत्काल कदम नहीं उठाए गए तो बंगाल में भी ऐसे हालात पैदा हो जाएंगे।

माना कि इस हिंसा से हिन्दू वर्ग में आक्रोश का ज्वाला दहकेगी और इसका फायदा बीजेपी को मिलेगा, लेकिन भाजपा को यह नहीं भूलना चाहिए कि हिन्दुओं का एक बड़ा वर्ग उसके साथ है। ऐसे में सियासी लाभ के लिए पश्चिम बंगाल के हिन्दुओ को बांग्लादेश की तरह आग में नहीं झोकना चाहिए और ममता की गुंडागर्दी व अराजकता पर ब्रेक लगाने के लिए कुछ और ना सही राष्ट्रपति शासन तो लगा ही सकती है। इससे भविष्य में हिंसा को रोकने और हिंदुओं को आश्वस्त करने में मदद मिलेगी कि उन्हें उनके हाल पर नहीं छोड़ा गया है। खासकर जब हाईकोर्ट ने आदेश दे ही दिया है तो पूरे पश्चिम बंगाल को सेना के हवाले करने में देर किस बात की। यहां जिक्र करना जरुरी है कि मुर्शिदाबाद, मालदा, नदिया और दक्षिण 24 परगना जैसे जिलों में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं हुई हैं लेकिन राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार ने तुष्टिकरण की राजनीति के कारण आंखें मूंद ली हैं। कलकत्ता उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करते हुए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती का आदेश देना पड़ा, जिससे राज्य की प्रशासनिक विफलता उजागर हुई। कोर्ट ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा हाल के दिनों में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शनों के दौरान सांप्रदायिक अशांति को नियंत्रित करने के लिए किए गए उपाय पर्याप्त नहीं थे।

बेंच ने यह भी कहा कि अगर पहले सीएपीएफ तैनात किया गया होता, तो स्थिति इतनी गंभीर और अस्थिर नहीं होती। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि केंद्रीय सशस्त्र बलों की पहले तैनाती से स्थिति को कम किया जा सकता था, क्योंकि ऐसा प्रतीत होता है कि समय पर पर्याप्त उपाय नहीं किए गए। खंडपीठ ने इस बात पर जोर दिया कि स्थिति गंभीर और अस्थिर है। बेंच ने अपराधियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने और निर्दोष नागरिकों पर हुए अत्याचारों को रोकने की जरूरत पर बल दिया। आदेश में कहा गया कि जब लोगों की सुरक्षा खतरे में हो, तो संवैधानिक न्यायालय मूक दर्शक नहीं रह सकता और तकनीकी बचाव में उलझ नहीं सकता। क्योंकि मुर्शिदाबाद सहित कई जिलों में हिंसा के बाद कश्मीरी हिन्दुओं की तर्ज पर लोग छिप-छिप कर पलायन कर रहे हैं। स्कूलों में शरण ले रहे हैं. इनमें महिलाएं और छोटे बच्चे भी शामिल हैं. पलायन करने वालों का कहना है कि वहां लूटपाट और घरों में आग लगाने की घटनाएं हुई हैं. बता दे, वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंसा भड़क गई. उपद्रवियों ने कई इलाकों में पथराव किया. आगजनी की. ट्रेनें रोकीं. कई दफ्तरों को नुकसान पहुंचाया. साथ ही पुलिस वालों को भी निशाना बनाया. हिंसा में 3 लोगों की मौत हो चुकी है. हिंसक झड़प में 15 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं।

हिंसा में धार्मिक कट्टरपंथियों के डर से मुर्शिदाबाद के धुलियान से 400 से अधिक हिंदू नदी पार कर लालपुर हाई स्कूल, देवनापुर-सोवापुर जीपी, बैसनबनगर, मालदा में शरण लिए हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वक्फ कानून को लेकर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा है कि पश्चिम बंगाल में ये कानून लागू नहीं किया जाएगा. यह कानून केंद्र सरकार ने बनाया है, इसलिए जवाब भी केंद्र सरकार से ही मांगा जाना चाहिए. लेकिन सवाल तो यही है जब कानून लागू ही नहीं करना है तो एक वर्ग को भड़काकर किसके लिए हिंसा करायी जा रही है। दुसरा बड़ा सवाल है कि जब सुप्रीम कोर्ट में वक्फ कानून के खिलाफ दायर याचिका पर 16 अप्रैल को सुनवाई होगी तो हिंसक विरोध प्रदर्शन देशभर में क्यों हो रहे हैं? पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के विरोध की आग धधक उठी. यहां प्रदर्शन हिंसा में क्यों तब्दील हो गया. वक्फ़ कानून को लेकर देश के कई हिस्सों में मुस्लिम समुदाय लगातार प्रोटेस्ट कर रहा है। पश्चिम बंगाल में तो प्रोटेस्ट और भी गंभीर होते जा रहे हैं. सामाजिक ताना-बाना टूट चुका है। योगी ने कहा ह्यह्यआश्चर्य होता है कि यह वही देश है जिसमें वक्फ के नाम पर लाखों एकड़ जमीन कब्जा ली गयी है। उनके (कब्जा करने वालों के) पास कोई कागज नहीं, कोई राजस्व का रिकॉर्ड नहीं है और जब से (वक्फ) संशोधन विधेयक पारित हुआ और कार्रवाई हो रही है तो इसके लिए हिंसा भड़काई जा रही है। योगी ने कहा, ह्यह्यपश्चिमी बंगाल के मुर्शिदाबाद में तीन हिंदुओं की उनके घरों से खींचकर हत्या कर दी गयी। ये सब कौन हैं, ये वही दलित, वंचित और गरीब हैं जिसको इस जमीन का सर्वाधिक लाभ मिलने वाला है।

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह संसद द्वारा पारित वक्फ (संशोधन) अधिनियम मंगलवार से लागू हो गया। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया, वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की धारा 1 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार ने आठ अप्रैल 2025 से उक्त अधिनियम के प्रावधान लागू किए हैं। इसी का विरोध किया जा रहा है। जबकि वक्फ कानून तो बहाना है, असल में मोदी निशाना हैं। मौलानाओं की तकरीर का मकसद किसी तरह मोदी को झुकाना है। वक्फ कानून का आम मुसलमान से कोई लेना-देना नहीं है, पर उसे ये समझाया जा रहा है कि सरकार मस्जिदों, कब्रिस्तानों और ईदगाहों पर कब्जा कर लेगी। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने ऐलान कर दिया कि वक्फ कानून के खिलाफ देश भर में 1985 जैसा आंदोलन चलाया जाएगा। जैसे शाहबानो केस में उस वक्त राजीव गांधी की सरकार को झुकाया था, वैसे ही मोदी सरकार को वक्फ संशोधन कानून वापस लेने पर मजबूर किया जाएगा। बोर्ड की तरफ से देश भर की मस्जिदों को एक ड्राफ्ट भेजा गया है जिनके आधार पर हर जुमे की नमाज के बाद मौलानाओं को तकरीरें करनी है।

मुसलमानों को बताना है कि वक्फ एक्ट मजहबी मामलों में दखल है, सरकार इसके जरिए कैसे मस्जिदों, मदरसों और कब्रिस्तानों पर कब्जा कर लेगी। फिर देश भर में रैलियां निकाली जाएंगी। 22 अप्रैल को दिल्ली में बड़ी रैली होगी। आंदोलन का पहल चरण 7 जुलाई तक चलेगा। मौलानाओं ने जिस जंग का ऐलान किया है, वो असल में वक्फ कानून को लेकर नहीं है। कानून तो बहाना है, असल में मोदी निशाना हैं। मौलानाओं की तकरीर का मकसद किसी तरह मोदी को झुकाना है। वक्फ कानून का आम मुसलमान से कोई लेना-देना नहीं है, पर उसे ये समझाया जा रहा है कि सरकार मस्जिदों, कब्रिस्तानों और ईदगाहों पर कब्जा कर लेगी। असल में परेशानी तो उनकी है जिनका वक्फ की जायदाद पर कब्जा है। वे लोग इस मुहिम में पूरे जोर-शोर से जुटे हैं। मुसलमानों की ठेकेदारी करने वालों को लगता है कि अब तक तो हर सरकार हमसे दबती थी, हमने शाहबानो केस में सुप्रीम कोर्ट का फैसला बदलवा दिया, 2013 में अपनी मर्जी के मुताबिक वक्फ कानून में बदलाव करवा लिया। अब सरकार हमारी बात कैसे नहीं सुनेगी? इसीलिए ये जंग वक्फ के कानून के मेरिट की नहीं, अपनी सुप्रीमेसी साबित करने की है। बड़ी बात ये है कि जिस तरह मुस्लिम पर्सनल बोर्ड और दूसरी तंजीमें वक्फ बोर्ड के खिलाफ माहौल को गर्म करने की कोशिश कर रहे हैं। उसका फायदा समाज के दुश्मन उठा सकते हैं। वो कोई शरारत करके दंगा भड़का सकते हैं।

जयंती का शोर, विचारों से गैरहाज़िरी, मूर्ति की पूजा, विचारों की हत्या, हाथ में माला, मन में पाखंड

-प्रियंका सौरभ

देश भर में आज बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई जा रही है। मंदिरों की घंटियों की तरह मंचों पर माइक बज रहे हैं, फूलों की माला और भावुक भाषणों की बाढ़ है। लेकिन इन सबके बीच एक सवाल लगातार मन को कुरेदता है – क्या यह श्रद्धांजलि है या सत्ता की साधना?

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के महू में हुआ था। वे महार जाति से थे, जिसे अछूत समझा जाता था। सामाजिक बहिष्कार और अपमान के बीच उन्होंने शिक्षा हासिल की और कोलंबिया विश्वविद्यालय व लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसे संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त की। यह उपलब्धि अपने आप में उस समय के भारत में एक क्रांति थी। बाबा साहेब ने सामाजिक अन्याय के खिलाफ मोर्चा खोला और 1956 में उन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया – एक ऐसा धर्म जो समता, करुणा और ज्ञान की राह दिखाता है। 6 दिसंबर 1956 को उन्होंने दुनिया को अलविदा कहा, लेकिन उनके विचार आज भी जीवित हैं – बशर्ते उन्हें ज़िंदा रखा जाए।

आज जब हम संसद और विधानसभाओं की तरफ नजर डालते हैं, तो पाते हैं कि वहां बड़े पैमाने पर पूंजीपति, अभिनेता, खिलाड़ी मौजूद हैं। लेकिन जो बहुजन समाज सत्ता की सीढ़ी बनता है, उसे नीचे ही रहने दिया जाता है। जातिगत जनगणना से बचने वाली सरकारें, सामाजिक न्याय को स्थायी नीति में बदलने को तैयार नहीं हैं। यही कारण है कि समाज में गहराई से असमानता बनी हुई ह

बाबा साहब की जयंती पर करोड़ों रुपये खर्च कर देना, बड़ी रैलियां और पोस्टर लगवा देना, उनकी मूर्तियों को फूलों से ढक देना – क्या यही श्रद्धा है? क्या ये वही लोग नहीं हैं जो बाबा साहब की किताबें कभी पढ़ते तक नहीं? क्या ये वही सियासी दल नहीं हैं जिनकी नीतियां प्रत्यक्ष रूप से संविधान की आत्मा के विरुद्ध जाती हैं? यह ढोंग तभी रुकेगा जब हाथी के दांत खाने और दिखाने के एक कर दिए जाएं। जब कथनी और करनी में फर्क मिटेगा। और जब शासन सत्ता में सभी को जनसंख्या के अनुपात में हिस्सेदारी मिलेगी – तभी हम कह सकेंगे कि हमने बाबा साहब को सही मायनों में श्रद्धांजलि दी है। जिस बाबा साहेब ने भारत के सबसे दबे-कुचले, हाशिए पर पड़े वर्गों को आवाज दी, संविधान में उनके अधिकार सुनिश्चित किए, उन्हीं के नाम पर आज वही लोग जयंती मना रहे हैं जिन्होंने उनके विचारों को कुचलने में कोई कसर नहीं छोड़ी। बाबा साहेब ने स्पष्ट कहा था: ₹मैं हिंदू के रूप में पैदा हुआ, यह मेरे बस में नहीं था, लेकिन हिंदू होकर मरूंगा नहीं – यह मेरे वश में है।₹ इस ऐतिहासिक उद्घोषणा को समझने के बजाय, राजनेताओं ने उन्हें मूर्तियों तक सीमित कर दिया। संविधान, जिसे उन्होंने दलितों, पिछड़ों और गरीबों की रक्षा के लिए लिखा था, उसे आज बेतरतीब तरीके से तोड़ा-मरोड़ा जा रहा है। बड़े दुख की बात है कि जिन दलों का जन्म ही दलितों और पिछड़ों के हक के लिए हुआ था, वे आज या तो सत्ता के लालच में चुप हैं या डर के मारे मौनव्रत धारण किए हुए हैं। बसपा जैसे दल बाबा साहेब का नाम लेकर सत्ता में आए, लेकिन आज उनके सिद्धांतों की रक्षा में सबसे पीछे हैं। सिर्फ चुनावी रणनीति बनकर रह गया है बाबा साहेब का नाम। आरक्षित सीटों से विधायक-सांसद बनने वाले लोग अपने-अपने दलों की गुलामी में मग्न हैं। वे दलित हितों पर हो रहे प्रहारों को मूकदर्शक बनकर देख रहे हैं। ऐसे में एक साधारण नागरिक के तौर पर मैं, विनेश ठाकुर, इन सत्ता-भोगी प्रतिनिधियों की कठोर निंदा करता हूँ।

आज जो लोग बाबा साहेब को याद कर रहे हैं, उनमें से अधिकांश ने उनके विचारों पर एक कदम भी चलने का साहस नहीं दिखाया। जातिगत जनगणना, जनसंख्या के अनुपात में सत्ता में हिस्सेदारी, शिक्षा और रोजगार में बराबरी जैसे मुद्दे आज भी लंबित हैं। इसके बजाय गरीबों को फ्री राशन देकर खुश करने की नीति अपनाई जा रही है – स्थायी रोजगार और गरिमा भरे जीवन की जगह भीख सरीखा जीवन दिया जा रहा है। लोकसभा और विधानसभाओं में बड़े-बड़े उद्योगपति, अभिनेता और खिलाड़ी पहुँचते हैं, लेकिन जिनके वोटों से सरकारें बनती हैं – दलित, आदिवासी, ओबीसी – वे आज भी हाशिए पर हैं।

हिंदी सलाहकार समिति में चयनित हुए रामहित यादव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिति व अभ्यासक्रम संशोधन मंडल की माध्यमिक हिंदी भाषा समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रशासकीय अधिकारी (म न पा,शिक्षण विभाग) रामहित यादव का भारत सरकार की कार्मिक,लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति में सदस्य के रूप में चयन होने पर शिक्षा जगत में हर्षोंउल्लास का वातावरण है। पूर्व उपशिक्षणाधिकारी रवींद्र काले, पूर्व उपशिक्षणाधिकारी चन्द्रकेश सिंह, पूर्व अधीक्षक रामचंद्र पांडेय समेत तमाम शिक्षकों ने उनकी इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी है।

सुखराज नाहर बने नाकोड़ा दर्शन धाम के अध्यक्ष

मुंबई। देश के प्रसिद्ध डेवलपर और नाहर ग्रुप के चेयरमेन सुखराज नाहर को नाकोड़ा दर्शन धाम का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नाकोड़ा दर्शन धाम के संस्थापक राष्ट्रसंत आचार्य चन्द्रानन सागर सूरीश्वर महाराज द्वारा यह घोषणा की गई है। मुंबई के पास अहमदाबाद हाईवे पर विरार के आगे ढेकाले विलेज में स्थित है। जैन धर्म के इस तेजी से उभरते तीर्थ की मुंबई एमएमआर रीजन एवं दक्षिण गुजरात में काफी बड़ी प्रतिष्ठा है और यहां तीर्थयात्रियों का भी रोजाना बड़ी संख्या में आवागमन होता है। नाकोड़ा दर्शन धाम का विकास तेजी से अग्रसर है और अब यह काम नए अध्यक्ष सुखराज नाहर के नेतृत्व में संपन्न होगा। नाहर ग्रुप के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सुखराज नाहर देश के प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर है। सन 1975 में रियल एस्टेट क्षेत्र में शुरूआत करने वाले सुखराज नाहर ने 20 मिलियन वर्ग फुट से अधिक के प्राइम रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स विकसित किए हैं। परिवारों के लिए उपयुक्त उच्च गुणवत्ता वाली परियोजनाओं का विकास नाहर ग्रुप की विशेषता है। उन्हें टाइम्स ऑफ इंडिया समूह द्वारा 'वननेस ऑफ महावीर एंड महात्मा अवार्ड', नवभारत टाइम्स द्वारा 'हिंदी भाषी अचीवर्स अवार्ड' और एकोमोडेशन टाइम्स द्वारा 'मैन ऑफ द ईयर अवार्ड' मिले है। नाहर ग्रुप ने राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूल, अस्पताल और चैरिटेबल संस्थानों की स्थापना की है। उन्होंने शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए छात्रवृत्ति कार्यक्रम भी शुरू किए हैं। नाहर ग्रुप ने मुंबई में बाढ़ के दौरान राहत शिविरों का भी आयोजन किया और जरूरतमंद लोगों की मदद की और मुंबई में नाहर इंटरनेशनल स्कूल की स्थापना की है, जो अंतरराष्ट्रीय शिक्षा के उच्च मानकों को पूरा करता है। मंदिरों के निर्माण और विकास तथा संस्थापन के क्षेत्र में भी सुखराज नाहर का लंबा अनुभव रहा है। उन्होंने मुलुंड के सर्वोदय नगर और चांदीवली के नहर अमृत शक्ति में विशाल जैन मंदिरों का निर्माण करवाया है। धार्मिक और सामाजिक क्षेत्रों में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) के 2 वर्ष तक सुखराज नाहर एपेक्स प्रेसिडेंट रहे हैं और उससे पहले 4 वर्ष तक जीतो मुंबई जोन के अध्यक्ष के रूप में भी उल्लेखनीय सेवाएं दी है। वर्तमान में सुखराज नाहर एमसीएचआई के मुंबई जोन के प्रेसिडेंट के रूप में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। राष्ट्रसंत आचार्य चन्द्रानन सागर सूरीश्वर महाराज द्वारा स्थापित नाकोड़ा दर्शन धाम एक प्रमुख जैन तीर्थ स्थल है। यह तीर्थ स्थल नाकोड़ा भैरव देव को समर्पित है, जो हर साल लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। यहां विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित होते रहे हैं। सुखराज नाहर को जिस नाकोड़ा दर्शन धाम का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, वह न केवल जैन धर्म के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि इस इलाके के आदिवासियों के जीवन के विकास में भी बड़ा सहायक संस्थान रहा हैं। नाकोड़ा दर्शन धाम में हर दिन सैकड़ों जैन धर्मावलंबी भैरव देव की पूजा एवं दर्शन के लिए पहुंचते है। जैन धर्म, दर्शन, संस्कृति और परंपरा के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित नाकोड़ा दर्शन धाम जैन धर्म के अनुयायियों के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस तीर्थ के नए अध्यक्ष के रूप में सुखराज नाहर की नियुक्ति एक महत्वपूर्ण कदम है। नाहर ग्रुप के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक के रूप में उन्होंने अपने करियर में कई सफल परियोजनाएं विकसित की हैं एवं मंदिरों के निर्माण एवं विकास का भी उन्हें बड़ा अनुभव है, उनकी नियुक्ति नाकोड़ा दर्शन धाम के विकास और विस्तार में एक नई दिशा प्रदान कर सकती है। सुखराज नाहर की नियुक्ति के साथ, नाकोड़ा दर्शन धाम के विकास और विस्तार की नई संभावनाएं खुल सकती हैं। नाहर ग्रुप की उनकी विशेषज्ञता और अनुभव के साथ, नाकोड़ा दर्शन धाम को और भी आकर्षक और सुविधाजनक बनाया जा सकता है, जिससे जैन धर्म के अनुयायियों और दर्शनार्थियों के लिए यह एक महत्वपूर्ण स्थल बन सके। सुखराज नाहर की नियुक्ति नाकोड़ा दर्शन धाम के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

पुलिस के पास महिला स्टाफ न होने का फायदा उठा रहे हैं डांस बार माफिया

मुंबई। नवी मुंबई के मोरा कोस्टल पुलिस स्टेशन से जुड़े एक कांस्टेबल को पिछले दिनों मकोका के आरोपी के साथ कोपर खैराने के एक डांस बार में सुबह 5:30 बजे डांस करते हुए वीडियो वायरल होने के बाद परिमंडल दो के डीसीपी प्रशांत मोहिते ने निलंबित कर दिया। बताया जाता है कि यह डांस बार तय समय सीमा के बाद भी चल रहा था. बता दे की डांस बारों पर अश्लील डांस जिस्मफरोशी के आरोप हमेशा से लगते रहे हैं। आरटीआई एक्टिव और सामाजिक कार्यकर्ता वैभव रूपनार ने बताया कि डांस बारों में चल रहे अश्लील कृत्य पर पीटा एक्ट के तहत कार्रवाई की जाती है। जिसमें महिला ऑफिसर का होना अनिवार्य है। अगर कोई नागरिक 112 पर शिकायत करता है तो वहां पर बीट मार्शल को भेजा जाता है जिसे कार्रवाई करने का कोई अधिकार ही नहीं है। पुलिस विभाग की इसी मजबूरी का फायदा डांस बार माफिया उठाते हैं। नवी मुंबई के परिमंडल एक के पुलिस उपायुक्त कार्यालय के अंतर्गत आने वाले एपीएमसी पुलिस स्टेशन की हद में सेंट्रल प्वाइंट बार, एसबी बार, कपल बार और शेम्पियन बार में ऑर्केस्ट्रा के नाम पर अश्लील डांस और वेश्या व्यवसाय का धंधा पूरी रात चलाया जा रहा है। इसी तरह तुर्भे एमआईडीसी पुलिस स्टेशन की हद में लक्षद्वीप बार, बेवॉच बार, नियॉन सिटी बार और अक्षय पैलेस बार की लाइट बाहर से बंद कर बार को पूरी रात भर चलाया जा रहा है. सूत्रों ने बताया है कि यह बार कुछ नामचीन व्यक्तियों द्वारा चलाए जा रहे हैं। वैभव रूपनार ने बताया कि 112 नंबर पर पुलिस नियंत्रण कक्ष में कई बार सूचना देने के बाद कभी कभार बीट मार्शल आता है लेकिन वह कार्रवाई करने का अधिकार न होने की बात कहकर बैरंग लौट जाता है। जबकि डांस बार पूरी रात भर धड़ल्ले से चलते रहते हैं। सामाजिक कार्यकर्ता वैभव रूपनार ने नवी मुंबई के पुलिस आयुक्त मिलिंद भारंभे और परिमंडल एक के पुलिस उपायुक्त पंकज डाहाने से इन डांस बारों में देर रात तक चल रहे अश्लील डांस और जिस्मफरोशी के धंधों पर तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है।

पियुष गोयलने में वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 का उद्घाटन किया

मुंबई/नई दिल्ली (उत्तरशक्ति)। नई दिल्ली के प्रतिष्ठित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में आज वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 का भव्य उद्घाटन हुआ, जिसमें केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पियुष गोयल और वाइब्रेंट बिल्डकॉन के ब्रांड एंबेसडर सुनील शेट्टी उपस्थित थे। ₹वन नेशन, वन एक्सपो₹ थीम के तहत आयोजित यह भव्य इवेंट एक अनूठी पहल है, जो सभी बिल्डिंग मटीरियल्स उद्योगों को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाती है। यह मेला 16 अप्रैल 2025 तक चलेगा।

वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 भारत के निर्माण और बिल्डिंग मटीरियल्स क्षेत्र में तेजी से बढ़ते विकास को प्रदर्शित करता है और यह उद्योग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण समय पर आयोजित हो रहा है। वर्ष 2024 में, सिरेमिक और बिल्डिंग मटीरियल्स क्षेत्र ने भारत के जीडीपी में 9% योगदान दिया था और देशभर में लगभग 5.1 करोड़ रोजगार उत्पन्न किए थे। कैपेक्सील के तहत, 2023-24 में बिल्डिंग और कंस्ट्रक्शन सेक्टर से निर्यात 11.13 बिलियन यूएसडी तक पहुंच गया था, और पिछले पांच वर्षों में औसत सालाना वृद्धि दर (सीएजीआर) 7.27% रही है, जिससे भारत को वैश्विक स्तर पर एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है।

2024 से 2033 तक भारत का कंस्ट्रक्शन उद्योग 6% से अधिक सीएजीआर से वृद्धि करने की उम्मीद है, जबकि 2011 से 2024 तक औसतन ?2,528.80 बिलियन का जीडीपी योगदान हुआ है। वैश्विक स्तर पर, भारत रोजाना लगभग

21.6 मिलियन वर्ग मीटर सिरेमिक टाइल्स का उत्पादन करता है और 3.2 बिलियन यूएसडी मूल्य की सिरेमिक टाइल्स का निर्यात करता है, जो वैश्विक बिल्डिंग मटीरियल्स मार्केट में भारत की मजबूत उपस्थिति को प्रदर्शित करता है। इसके अतिरिक्त, भारत के पास दुनिया के कुल ग्रेनाइट संसाधनों का 20% हिस्सा है, जो इसे बिल्डिंग मटीरियल्स क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में अग्रसर करता है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पियुष गोयल ने कहा, वाइब्रेंट बिल्डकॉन एक उद्योग द्वारा संचालित एक्सपो है, जिसे सरकार से एक भी रुपया लिए बिना शुरू किया गया है, और इसे उन्होंने अद्वितीय उपलब्धि के रूप में बताया। उन्होंने आगे कहा, यह पहल भारत के बिल्डिंग मटीरियल्स उद्योग की शक्ति, एकता और आत्मनिर्भरता को प्रतिबिंबित करती है। उन्होंने यह भी कहा, 'पहला दिन, पहला शो अद्भुत रहा है, और मुझे पूरा विश्वास है कि यह एक्सपो अगले वर्ष 10 गुना बड़ा होगा। भारत कभी छोटी उपलब्धियों से संतुष्ट नहीं होगा – हम यहां अद्भुत निर्माण करने के लिए हैं। हमारा दृष्टिकोण स्पष्ट है: भारत का इन्फ्रास्ट्रक्चर दुनिया में नंबर वन होना चाहिए। वाइब्रेंट बिल्डकॉन की सफलता और इन्फ्रास्ट्रक्चर और बिल्डिंग मटीरियल्स सेक्टर की विशाल संभावनाओं को देखते हुए, भविष्य में इस एक्सपो के लिए एक ही स्थान पर्याप्त नहीं होगा।'₹

वाइब्रेंट बिल्डकॉन के निदेशकों जितेन्द्र काथिरिया और श्री विजय आघरा ने अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा, ₹हम उद्योग के प्रतिसाद से अभिभूत हैं और वाणिज्य मंत्रालय और भारत सरकार का आभार व्यक्त करते हैं। यह पहली बार है जब एक एक्सपो ने पूरे बिल्डिंग मटीरियल्स एकोसिस्टम को एक ही छत के नीचे सफलतापूर्वक एकत्रित किया है। यह भारत की शक्ति, निर्यात के लिए तत्परता और उद्योग की एकता को पहले कभी नहीं देखे गए तरीके से प्रदर्शित करता है।

जौनपुर के समाजसेवी निर्भय नारायण सिंह पटेल का मुंबई में सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उ.प्र.के पुर्व मंत्री स्व.वंशनारायण सिंह पटेल के सुपुत्र, निर्भय नारायण सिंह पटेल मैनेजर लौह पुरुष सरदार पटेल बालिका इंटर कॉलेज, शेखुपुर, मडियाहूं, जौनपुर के मुंबई आगमन पर केशव पाडामुलुंड प. सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ समाज सेवक डॉ.बाबूलाल सिंह पटेल, रमाशंकर तिवारी महासचिव समाजवादी पार्टी मुंबई, डॉ.आर.एम.पाल, डॉ.सचिन सिंह महासचिव उत्तर भारतीय सेल, महाराष्ट्र कांग्रेस, अजय केशव पटेल ब्लाक अध्यक्ष भांडुप कांग्रेस, महेंद्र पटेल शिक्षाविद, समाज सेवक अमर प्रसाद, धरम कनौजिया, मनोज सिंह ने शाल एवम पुष्पगुच्छ देकर निर्भय नारायण सिंह पटेल का सम्मान किया। निर्भय नारायण सिंह पटेल ने सभी समाज सेवको एवम नेताओं का मुंबई महानगरी में सम्मान प्रदान करने हेतु आभार प्रकट किया।

यशवंतराव चव्हाण सभागृह में आई टी एफ एस अवार्ड का भव्य आयोजन हुआ संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित वाई बी चव्हाण ऑडिटोरियम में आई टी एफ एस अवार्ड्स का भव्य आयोजन किया गया जहां मुख्य अतिथि के रूप में शिवसेना नेता और महाराष्ट्र के मंत्री उदय सामंत सहित कई हस्तियां समारोह में शामिल हुईं। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार हासिल करने वाले अतिथियों में शामिल थे महेश मांजरेकर, सुदेश भोसले, अनूप जलोटा, मोहम्मद फैज इंडियन आइडल के चाइल्ड सिंगर, अयान खान, विंदू दारा सिंह, हर्षदीप कौर गायिका,दिव्यांका त्रिपाठी ,उषा नाडकर्णी, निकेतन धीर ,डॉ. नितिन डांगे न्यूरोसर्जन और स्ट्रोक विशेषज्ञ डॉ. प्रशांत रसाल, ज्वाइंट कमिश्नर शहरी विकास विभाग श्री पंकज देवरे, एडिशनल कलेक्टर, पश्चिमी उपनगर, मुंबई, स्टूडियो रिफ्यूल के कुमार, श्री अनिल कुमार गायकवाड़, उपाध्यक्ष और एमडी, एमएसआरडीसी आईएएस सूरज मंधारे, कृषि आयुक्त, मुख्य अतिथि रोहन कपूर और सिद्धांत कपूर। यह कार्यक्रम दत्तात्रेय माने द्वारा आयोजित किया गया और इसमे स्टूडियो रिफ्यूल के निमार्ता कुमार का काफी सपोर्ट रहा है.

प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और सांस्कृतिक व्यक्ति दत्तात्रेय माने, बालगंधर्व स्मारक समिति के संस्थापक कोषाध्यक्ष और साईदिशा प्रतिष्ठान और इंडियास टैलेंट सम्मान फोरम (आईटीएसएफ) के संस्थापक अध्यक्ष हैं. उन्होंने प्रतिष्ठित आईटीएसएफ पुरस्कार 2025 की मेजबानी की.

भजन सम्राट और पद्मश्री अनूप जलोटा ने कहा कि महेन्द्र कपूर के नाम से जुड़े अवॉर्ड को हासिल करना मेरे लिए गर्व की बात है. उनके गाने भारतीय लोगों के दिलों में बसे हुए हैं. उनके गीत भक्ति भाव भी जगाते हैं.

आयोजक दत्तात्रेय बालकृष्ण माने ने कहा कि अच्छे कार्य करने वाले ऑफिसर्स, हर क्षेत्र के लोगों, कलाकारों को इस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया. बाल कलाकार को भी महेंद्र कपूर अवॉर्ड मिला. इससे उन्हें हौसला मिलेगा. इंडस्ट्री मिनिस्टर श्री उदय सामंत जी ने काफी समय दिया, इसके लिए उनका हार्दिक आभार. पद्मश्री महेन्द्र कपूर के पुत्र रोहन कपूर ने कहा कि पिता जी के नाम का अवार्ड करने के लिए जब बात शुरू हुई थी तो मैं थोड़ा घबराया था कि पता नहीं कैसे होगा मगर दत्तात्रेय जी ने इसको बड़ी खूबसूरती से और कामयाबी के साथ आयोजित किया. मैं सभी अतिथियों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं. महेन्द्र कपूर की तीसरी पीढ़ी सिद्धांत कपूर ने यहां परफॉर्म भी किया. सुदेश भोसले ने भी सिद्धांत की आवाज की प्रशंसा की और कहा कि जैसे महेंद्र कपूर उसको अपनी आवाज देकर गए हैं।

मुंबई सेंट्रल रेलवे टर्मिनस का नाम नाना जगन्नाथ शंकर शेठ के नाम से किए जाने की मांग

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विक्टोरिया टर्मिनस का नाम बदलकर छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस कर दिया गया है। इसी तर्ज पर मुंबई सेंट्रल रेलवे टर्मिनस का नाम मुंबई के प्रसिद्ध शिल्पकार जगन्नाथ नाना शंकर शेठ के नाम पर रखने की मांग की गई है। बता दें कि मुंबई के सभी मराठी लोगों की इच्छा है कि इसका नाम नाना शंकर शेठ मुंबई टर्मिनस रखा जाए। इसके लिए मराठी समुदाय को एकजुट होना चाहिए, ऐसा आह्वान मुंबई टर्मिनस नामकरण संघर्ष समिति के अध्यक्ष एडवोकेट मनमोहन चोणकर ने किया। बताया जाता है कि यह नामकरण संघर्ष पिछले पच्चीस-तीस वर्षों से चल रहा है और अब यह लड़ाई अपने अंतिम चरण में प्रवेश कर चुकी है। इसके लिए सम्पूर्ण मराठी समुदाय को एकजुट होकर इस नामकरण को अपनी पहचान मानते हुए इस लड़ाई में शामिल होना चाहिए। स्वतंत्रता के

बाद, 1996 में शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे ने विक्टोरिया टर्मिनस का नाम बदलकर जगन्नाथ नाना शंकर शेट रखने की पहल की। तदनुसार, तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. मनोहर जोशी ने इस नामकरण का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा। लेकिन इसे मंजूरी के लिए लोकसभा में भेज दिया गया। हालाँकि, इसके बजाय, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के रूप में प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। तब से हम मुंबई सेंट्रल रेलवे टर्मिनस का नाम बदलने की मांग कर रहे हैं।

यह जानकारी संगठन के अध्यक्ष एडवोकेट मनमोहन चोणकर ने दी। एडवोकेट मनमोहन चोणकर ने बताया कि आगामी 16 अप्रैल को रेलवे दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह नामकरण रेलवे दिवस के अवसर पर किया जाना चाहिए।

जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा बोईसर

- बोईसर में श्री हनुमान जन्मोत्सव पर विहिप-बजरंग दल की भव्य शोभायात्रा
- श्री राम और हनुमान की भक्ति में लीन हुए लोग

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। श्री हनुमान जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर शनिवार को बोईसर की धरती पर आस्था, भक्ति और शौर्य का अद्भुत संगम देखने को मिला। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल द्वारा आयोजित भव्य शोभायात्रा ने नगर को राममय कर दिया। पूरे शहर में ह्यजय श्रीरामह्ण के जयघोषों की गूंज और भगवा रंग की छटा ने ऐसा माहौल रच दिया, जैसे स्वर्ग धरती पर उतर आया हो। इस दौरान लोग श्री राम और हनुमान की भक्ति में पूरी तरह लीन दिखे। टीमा हॉल से शुरू हुई शोभायात्रा यशवंत सृष्टि और नवापुर नाका होते हुए सर्कस ग्राउंड तक पहुंची। श्री हनुमान चालीसा पाठ के बाद शोभा यात्रा का देर रात समापन हुआ है।इस दौरान मार्ग में पड़ने वाला हर कोना रामभक्ति में डूबा नजर आया। सिर पर भगवाल पट्टे, हाथों में ध्वज और दिलों में राम का नाम लिए श्रद्धालुओं के उमड़े सैलाब ने पदयात्रा कर नगर को धार्मिक ऊर्जा से भर दिया। श्री हनुमान की झांकी,श्री छत्रपति शिवाजी महाराज की झांकी,इस्कॉन

की श्री जी (राधा कृष्ण) रथ यात्रा,हरियाणा का प्रसिद्ध रुद्र तांडव नृत्य,शिव गंधर्व ढोल ताशा पथक और लेजिम सहित अन्य देवी-देवताओं की भव्य झांकियों ने लोगों को भावविभोर कर दिया। रुद्र तांडव की दमदार प्रस्तुति और बग्गियों पर सजे-धजे रथों ने धार्मिक चेतना को नई ऊंचाई दी। शोभायात्रा का स्वागत नगरवासियों ने खुले दिल से किया। जगह-जगह पुष्पवर्षा, प्रसाद वितरण, नींबू शरबत और मीठे जल की सेवा की गई। व्यापारी वर्ग से लेकर आमजन तक, हर किसी ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डिजे पर बजते भक्ति गीतों पर श्रद्धालु जमकर झूमे। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई राम के रंग में रंगा नजर आया। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि पूरा बोईसर श्रीराम की नगरी बन गया हो। बजरंग दल के नेता और शोभा यात्रा के आयोजक चंदन सिंह ने इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने वाले हर रामभक्त का आभार प्रकट करते हुए कहा कि, घर-घर श्री राम और हर दिल में श्री हनुमान है।इस अवसर पर डीवाईएसपी विकास नाईक के नेतृत्व में सुरक्षा व्यवस्था में सैकड़ों पुलिसकर्मी तैनात रहे। इस शोभायात्रा में भाजपा जिला अध्यक्ष भरत राजपूत, विहिप नेता मुकेश दुबे, एसपी सिंह, आरबी सिंह, राम रंजन सिंह, अरविंद सिंह, राजेश सिंह,डीपी सिंह,किशन गढ़वी,रवि सिंह,एपी सिंह, रॉबिन सिंह,दीक्षित सिंह सहित बड़ी संख्या में सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक हस्तियों की उपस्थिति रही।

रिमेडियम लाइफकेर ने 49.19 करोड़ रुपये के राइट्स इश्यू की घोषणा की

मुंबई। फार्मास्युटिकल इंटरमीडिएट्स और स्पेशियलिटी केमिकल्स बनाने वाली रिमेडियम लाइफकेर लिमिटेड को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज से अपने प्रस्तावित राइट्स इश्यू के लिए मंजूरी मिल गई है। इस मंजूरी के बाद तेजी से बढ़ रही ये कंपनी अब अपने मौजूदा शेयरधारकों से पूंजी जुटा सकेगी, जिससे उसकी वित्तीय स्थिति मजबूत होगी और वह अपने मैन्युफैक्चरिंग, नए प्रोडक्ट्स का विकास और वैश्विक बाजार में विस्तार को आगे बढ़ा सकेगी। 49.19 करोड़ के इस राइट्स इश्यू की रिकॉर्ड डेट मंगलवार 15 अप्रैल 2025 हैं। इसका प्रति शेयर मूल्य 1.00 रुपया है। इस राइट्स इश्यू का मुख्य उद्देश्य वर्किंग केपिटल की जरूरतें, आरएंडडी के लिए उपकरण, और विस्तार है। कंपनी के होलटाइम डिरेक्टर आदर्श मुन्जाल ने कहा, ह्बीएसई की यह मंजूरी हमारे सफर में एक महत्व का कदम है। हम अपने ऑपरेशंस को ज़िम्मेदारी और सस्टेनेबल तरीके से बढ़ाते हुए शेयरधारकों के लिए मूल्य बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह राइट्स इश्यू ऐसे समय में आ रहा है जब रिमेडियम लाइफकेर को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से अच्छा रिस्पोन्स मिल रहा है। फरवरी 2025 में, कंपनी ने यूके की एक प्रमुख फार्मा डिस्ट्रीब्यूटर के साथ 182.7 करोड़ रुपये का एक मल्टी-ईयर एक्सपोर्ट कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

तेज आंधी और बारिश में बाइक सवार पर गिरा पेड़, हुआ गंभीर रूप से घायल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केराकत रोड पर स्थित धमार्पुर गांव में रविवार को तेज आंधी और बारिश के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। सड़क से गुजर रहे एक बाइक सवार युवक के ऊपर अचानक एक पेड़ टूट कर गिर पड़ा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के वक्त मौसम अचानक बिगड़ गया था और तेज हवाओं के साथ जोरदार बारिश हो रही थी। युवक अपनी बाइक से कहीं जा रहा था कि तभी रास्ते में एक पुराना और कमजोर पेड़ तेज आंधी के कारण टूटकर उसके ऊपर गिर गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर दौड़ पड़े और घायल युवक को बड़ी मुश्किल से पेड़ के नीचे से बाहर निकाला। स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत वहां 108 एंबुलेंस को बुलाया गया और घायल युवक को जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। गौराबादशाहपुर थाना पुलिस को भी मामले की सूचना दे दी गई है। पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और आवश्यक कार्रवाई में जुट गई है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में कई ऐसे पुराने पेड़ हैं जो कभी भी हादसे का कारण बन सकते हैं। लोगों ने प्रशासन से पुराने और कमजोर पेड़ों की छंटाई की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

अज्ञात वाहन के धक्के से घर का एकलौता चिराग बुझा

रियाजुल हक, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। यह हादसा शनिवार देर रात स्टेशन से रसूलाबाद जाने वाली सड़क पर स्थित रेलवे कॉलोनी के सामने हुआ। राहगीरों द्वारा देखा गया कि सड़क पर एक युवक का शव पड़ा हुआ है, जिसके पास एक क्षतिग्रस्त बाइक भी मिली। घटना की जानकारी मिलते ही भंडारी चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। मृतक की पहचान 27 वर्षीय दीपक कुमार विश्वकर्मा पुत्र प्रमोद कुमार विश्वकर्मा के रूप में हुई, जो कोतवाली थाना क्षेत्र के उत्तरी वाजिदपुर का निवासी था। परिवार वालों को जब इस दुर्घटना की सूचना दी गई, तो मृतक के पिता प्रमोद कुमार विश्वकर्मा भागते हुए जिला अस्पताल पहुंचे। शव की पुष्टि होते ही घर में कोहराम मच गया। परिजनों के अनुसार, दीपक शनिवार की सुबह लगभग 10 बजे अपने घर से बाइक द्वारा विशेषरपुर चौराहा, फायर ब्रिगेड के पास स्थित अपने फर्नीचर कार्यशाला के लिए निकला था। शाम को वह घर लौटकर अपने औजार रख गया और फिर बाइक से किसी कार्य के लिए निकला था। इसके बाद देर रात यह दर्दनाक हादसा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, हादसे के वक्त एक ट्रक की टक्कर से दीपक की मौत हुई है। घटना के तुरंत बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से ट्रक और उसके चालक की पहचान व तलाश में जुटी है। लोगों का कहना है कि सड़क पर रफ्तार और भारी वाहनों की लापरवाही के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं।

पुरानी पेंशन बहाली हेतु अटेवा संगठन की रणनीतिक बैठक, दिल्ली में आन्दोलन की तैयारी

धमार्पुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुरानी पेंशन बहाली हेतु 1 मई,2025 को दिल्ली में प्रस्तावित विशाल धरना के मद्देनजर होटल रिवर व्यू में अटेवा धमार्पुर जौनपुर की एक आवश्यक बैठक आयोजित हुई ।जिसमें दिल्ली में कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा हुई और साथ ही साथ ब्लॉक कार्यकारिणी का पुनर्गठन भी किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद श्याम सिंह यादव ने पेंशन की महत्ता पर प्रकाश डाला और आश्वस्त किया कि पेंशन आंदोलन में हर सम्भव सहयोग करते रहेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष सतेन्द्र रॉय, विशिष्ट अतिथि प्रो.डॉ. कर्मचन्द यादव, प्रो.डॉ. श्याम सुंदर उपाध्याय, प्रो.डॉ मनीष प्रताप सिंह, डॉ.राजेश उपाध्याय, जिलाध्यक्ष चन्दन सिंह, जिला महामंत्री इन्दु प्रकाश यादव, जिलाध्यक्ष महिला विंग आराधना चौहान, पूनम जायसवाल, डॉ.कमलेश यादव, जगदीश यादव, आनन्द स्वरूप, प्रदीप चौहान, प्रदीप उपाध्याय, श्याम बहादुर यादव, विनीता यादव, ममता श्रीवास्तव, डॉ.रेखा यादव, कृष्ण कुमार गुप्त आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मण्डल उपाध्यक्ष रमेश चंद्र यादव एवं संचालन जिला कोषाध्यक्ष नन्द लाल पुष्पक ने किया।

थाना सरपतहाँ, एसओजी व सर्विलांस पुलिस टीम ने हत्या के तीन आरोपियों को किया गिरफ़्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे। क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज के पर्यवेक्षण में प्र0नि0 अमित कुमार सिंह मय हमराह व एसओजी टीम उ0नि0 मनोज कुमार सिंह मय टीम तथा सर्विलांस प्रभारी उ0नि0 मनोज ठाकुर मय टीम के अथक प्रयास से हत्या करने वाले 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक-08.04.2025 आरोपीगण द्वारा मुकदमा वादी अनुपम शर्मा पुत्र प्रदीप शर्मा निवासी उपाध्यायपुर थाना सरपतहाँ जौनपुर के भाई अनुराग शर्मा उम्र करीब 32 वर्ष की हत्या कर दी गई थी ।जिसके उपरांत वादी उपरोक्त के तहरीर पर थाना सरपतहाँ जौनपुर पर मु0अ0सं0-76/25 धारा 191(2), 103(1), 238, 61(2) बीएनएस का अभि?ोग 1. परमेश यादव पुत्र जवाहिर यादव निवासी धिरौली नानकार थाना खुटहन जौनपुर 2. पंकज सिंह पुत्र अध्या सिंह नि0 फतेहगढ़ थाना खुटहन जौनपुर के विरूद्व पंजीकृत किया गया, विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान आरोपी मनोज बिन्द पुत्र रामआसरे बिन्द निवासी भिवरहा खुर्द थाना खुटहन जौनपुर उम्र करीब 20 वर्ष, 2. शिवम यादव पुत्र हीरालाल यादव निवासी भिवरहा कला थाना सरपतहां जौनपुर उम्र करीब 20 वर्ष का नाम साक्ष? संकलन व सीडीआर के माध्यम से प्रकाश में आया। आज दिनाँक-13.04.2025 को समय 09.05 बजे पट्टीनरेन्द्रपुर के पास से मुखबिर की सूचना पर आरोपीगण 1. मनोज बिन्द पुत्र रामआसरे बिन्द निवासी भिवरहा खुर्द थाना खुटहन जौनपुर 2. शिवम यादव पुत्र हीरालाल यादव निवासी भिवरहा कला थाना सरपतहां जौनपुर, 3. परमेश यादव पुत्र जवाहिर यादव निवासी धिरौली नानकार थाना खुटहन जौनपुर को गिरफ्तार किया गया।

भारत में पिछड़ों के भविष्य को सुरक्षा प्रदान कर आर्थिक, राजनैतिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक समानता के पक्षधर थे बी.पी. मंडलः राकेश मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी जौनपुर के तत्वाधान में जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में सांसद जौनपुर कार्यालय नईगंज में सामाजिक न्याय के प्रतीक, पिछड़ों के मसीहा, बिहार के मुख्यमंत्री रहे मंडल आयोग के अध्यक्ष बाबू बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल जी की पुण्यतिथि मनाई गई। सर्वप्रथम उपस्थित पार्टी जनों ने बीपी मंडल जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके संघर्षों एवं विचारों को आत्मसात करने का पुनः संकल्प लिया।

तत्पश्चात जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में गोष्ठी आयोजित कर उनके संघर्षों बलिदानों एवं विचारों का स्मरण किया गया। जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि डॉ.अंबेडकर जी ने संविधान सभा के सामने संविधान प्रस्तुत करते हुए कहा था कि आज से हम राजनीतिक लोकतंत्र के युग में प्रवेश कर रहे हैं, लेकिन सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र कायम करना अभी बाकी है। जिस व्यक्ति ने भारत में सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र स्थापित करने का व्यवस्थागत और संस्थागत रास्ता सुझाया उस व्यक्ति का नाम बीपी मंडल है। उनके नेतृत्व में बने कमीशन ने जो 40 सिफारिशें की थीं, यदि वह लागू हो जातीं, तो भारत में राजनीतिक लोकतंत्र के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र भी कायम हो जाता। जिसका सपना डॉ. आंबेडकर ने देखा था। समाजवाद की परिकल्पना भी यही है कि पीडीए समाज को आर्थिक, राजनैतिक सामाजिक एवं शैक्षणिक समानता प्राप्त हो यही सपना जो बाबासाहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी, डॉ राममनोहर लोहिया जी, बी पी मंडल जी ने देखा था आज उसी सपने को साकार करने के लिए अखिलेश यादव पीडीए समाज की लड़ाई लड़ रहे हैं ।उन्होंने आगे कहा कि देश की आधी आबादी से ज्यादा हिस्सेदारी ओबीसी वर्ग की है जिनको मुख्यधारा में लाने के लिए 27% आरक्षण दिलाने का काम बी पी मंडल जी ने किया।

आज हम उनको याद कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, और उनकी विचारधारा पर चलने का पुनः संकल्प लेते हैंगोष्ठी को प्रदेश सचिव जयहिंद यादव, राजन यादव, श्यामबहादुर पाल, पूर्व प्रमुख जयंती यादव, अनवारूल हक गुड्डू, नैपाल यादव, श्यामनारायण बिंद, बरसातू राम सरोज, डॉ रामसूरत पटेल, डॉ जंगबहादुर यादव, गंगाराम मौर्य, राजेश यादव, पंडित जितेंद्र शर्मा ने संबोधित किया। उक्त अवसर पर उपस्थित समाजवादियों में पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, गुलाब यादव, राजेंद्र पाल धनगर, आनंद गुप्ता, गुड्डू सोनकर, धीरज बिंद, शैलेश यादव, विकास यादव, आनंद मौर्य, गामा सोनकर सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण मौजूद रहे। गोष्ठी का संचालन ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

वाराणसी में युवती से गैंगरेप के मामले में आरोपितों पर गैंगस्टर लगाने की तैयारी

अब तक नहीं हुई है बाकी 11 की गिरफ्तारी

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के पांडेयपुर निवासी युवती से सात दिनों तक गैंगरेप की घटना के बाद हरकत में आई पुलिस अब तक एक दर्जन आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है। हालांकि अभी भी 11 आरोपित ऐसे हैं जिनकी पहचान नहीं हो सकी है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए थाना, एसओजी और सर्विलांस सेल की सात टीमें लगी हुई हैं। आरोपितों पर गैंगस्टर के तहत कार्रवाई की तैयारी है।

युवती के मुताबिक उसके साथ अलग-अलग स्थानों पर रेप हुआ। सबसे पहले उसे आरोपी राज विश्वकर्मा लंका स्थित कैफे ले गया था। वहां दुष्कर्म किया। अगले दिन समीर मिला। युवती को बाइक पर बैठाकर हाईवे पर ले जाकर दुष्कर्म किया। समीर के साथ उसका एक दोस्त भी था। इस तरह युवती को नदेसर पर छोड़ा गया। वहां से मलदहिया स्थित कैंटीनेंटल कैफे, फिर औरंगाबाद स्थित एक गोदाम, इसके बाद हुकुलगंज के बघवानाला, फिर अस्सी ले जाकर रेप किया गया। इसके बाद चौकाघाट पर छोड़ा गया था। पुलिस ने युवती के बयान के आधार पर बताए रूट और जगह के अनुसार निजी तथा सिटी कमांड कंट्रोल सेंटर के कैमरे के जरिये फुटेज निकाल लिया है। मामले में नया पान दरीबा निवासी मो. रजा उर्फ जैब, लल्लापुरा निवास जाहिद खान, लल्लापुरा के काजीपुर खुर्द निवासी रेहान, सीरगोवर्धनपुर निवासी राज विश्वकर्मा, हुकुलगंज नई बस्ती निवासी आयुष धूसिया, लल्लापुरा की बादशाहबाग कॉलोनी के साजिद, हुकुलगंज के सुहैल शेख, पांडेयपुर के दानिश अली, लल्लापुरा के बड़ा चकरा के इमरान अहमद, शब्बीर आलम, इंग्लिशिया लाइन निवासी सोहेल खान और बसहीं निवासी अनमोल गुप्ता को गिरफ्तार किया है।

वाराणसी में गैंगरेप पीड़िता निकली हेपेटाइटिस-बी पॉजिटिव

मेडिकल रिपोर्ट में जॉन्डिस समेत कई बीमारियां, एनएनए के लिए सैंपल लेंगे; आरोपियों की जांच

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में गैंगरेप पीड़ित छात्रा हेपेटाइटिस-बी पॉजिटिव हैं और उसकी बीमारी गंभीर स्टेज पर है। लंबे समय तक नशे के दुष्प्रभाव में उसको जॉन्डिस यानि पीलिया भी हो गया है। ब्लड के सैंपल में कुछ ब्लड काउंट भी कम या अस्थिर हैं, जिसकी रिपोर्ट तैयार हो गई है। उनके शरीर में कई हार्मोनल अनबैलेंस भी हुए हैं। छात्रा के हेपेटाइटिस-बी पॉजिटिव होने से गैंगरेप के आरोपियों में दहशत का माहौल है। उनको डर है कि संक्रमित व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन संबंध बनाने में हेपेटाइटिस-बी का वायरस उन्हें भी प्रभावित कर सकता है।

HEPATITIS B

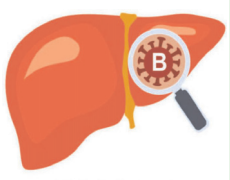

शाहगंज पुलिस ने 5 व्यक्तियों को शांति भंग में किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा जनपद मे अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे। अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज के निर्देशन व निकट पर्यवेक्षण मे थाना शाहगंज पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 13/04/2025 को थाना क्षेत्र के भिन्न-भिन्न स्थानों से शान्ति भंग के दृष्टिगत अन्तर्गत धारा 170/126/135 बी एन एस एस में कुल 05 अभियुक्तो को गिरफ्तार कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार आरोपी का नाम पता1. महेन्द्र यादव पुत्र स्व0 रामफेर यादव,बृजेश कुमार यादव पुत्र राममिलन यादव निवासीगण हुसेनाबाद (पटनहिया) थाना शाहगंज जौनपुर। कमलेश राजभर पुत्र रमेश उर्फ रामेश्वर राजभर. रोहित राजभर पुत्र अशोक राजभर, नीरज पुत्र अशोक राजभर समस्त निवासीगण छिड़वाभादी थाना शाहगंज जौनपुर।

यातायात पुलिस पुलिस ने चलाया अभियान, 238 ई-रिक्शा का चालान और 41 ई-रिक्शा किया सीज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यातायात पुलिस आज रविवार को जनपद जौनपुर में उ0प्र0 शासन की मंशानुरूप चलाये जा रहे अभियान के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपंजीकृत एवं अवैध रुप से संचालित ई-रिक्शा के विरुद्ध दिनांक 01.04.2025 से 30.04.2025 तक चलाये जा रहे विषेश अभियान के तहत जनपद जौनपुर में बिना लाइसेंस, बिना चेसिस तथा बिना फिटनेस ई-रिक्शा वाहनों को चेक किया गया जिसमें त्रुटी पाये जाने पर उनके विरुद्ध चालान/सीज की कार्यवाही भी की गयी। साथ ही दिनांकः 08.04.2025 से दिनांकः22.04.2025 तक चल रहे हेलमेट अभियान के तहत दो पहिया वाहन पर चालक तथा सह यात्री के द्वारा हेलमेट नही धारण करने पर चेकिंग तथा प्रवर्तन की कार्यवाही किया गया। ई-रिक्शा अभियान में दिनांकः 01.04.2025 से 12.04.2025 तक 238 ई-रिक्शा चालकों के विरूद्ध चालान, 508000/- रुपये ई-रिक्शा के चालान पर कारित जुमार्ना, 41 ई-रिक्शा सीज किया गया, हेलमेंट अभियान में दिनांकः 08.04.2025 से 12.04.2025 तक 823 का हेलमेट न धारण करने पर चालान के साथ 1020000/- रुपये जुमार्ना वसूला गया।

जलनिकासी का विरोध जताने के लिए पांच घंटे तक तीन युवक टॉवर पर चढ़े

समस्याओं को लेकर महिलाएं भी आई आगे

भदोही(उत्तरशक्ति)। जनपद के गोपीगंज कोतवाली के बड़ी गिराई गांव में रविवार को सुबह नौ बजे गांव के ही तीन युवक जिओ टावर पर चढ़ गए। गांव में जलनिकासी का इंतजाम न होने से नाराज तीनों युवक करीब पांच घंटे तक टावर पर चढ़े रहे। इस दौरान पुलिस ने उन्हें समझा-बुझाकर उतारने में जुटी रही, लेकिन वे नहीं माने। दोपहर दो बजे के करीब पहुंचे तहसीलदार ने तीनों को समझा-बुझाकर उतारा। बताया कि सोमवार से ही बीडीओ समस्या के समाधान के बाबत कार्य करेंगे। कोतवाली के बड़ी गिराई गांव में जलनिकासी की एक बड़ी समस्या है। हर साल मानसून के सीजन में घुटने तक पानी लग जाती है। रविवार की सुबह आंधी और तेज हवाओं के बीच हुई बारिश के गांव में पानी जमा हो गया। जिससे गांव के ही अभिषेक गुप्ता, अंकित गौड़ और मुन्ना मोर्य टावर पर चढ़ गए। महिलाओं ने भी जताया आक्रोशगांव के तीनों युवकों के टॉवर पर चढ़ने के बाद गांव की महिलाएं भी आक्रोशित हो उठी। गांव निवासी अंगुरा देवी, देवी यादव, शिला, शकुंतला, निर्मला, नगीना आदि ने बताया कि गांव में 2018 से ही जलनिकासी नही है। मामले में दर्जनों बार जिलाधिकारी को पत्रक दिया गया। इस समय स्थिति यह है कि गांव की बेटियों के रिश्ते भी टूट रहे हैं। तीनों युवक के टॉवर पर चढ़ होने की जानकारी मिलते ही कोतवाल डॉ. आशुतोष तीवारी, चौकी प्रभारी दिनेश कुमार समेत अन्य पहुंचे।

प्रभावी आत्मरक्षा की तकनीकें सिखाता है ताइक्वांडोः बागी

◆ सिद्धी एकेडमी के द्वितीय ब्रांच का हुआ शुभारंभ

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के रूहट्टा मोहल्ले में एक पेंट स्टोर के पास सिद्धी एकेडमी के द्वितीय ब्रांच का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि श्री दुर्गा पूजा महासमिति के पूर्व अध्यक्ष विजय सिंह बागी ने कहा कि आत्मरक्षा के लिए ताइक्वांडों सीखना जरूरी है। खासकर माता-पिता को चाहिए कि अपनी बच्चियों को ताइक्वांडों का प्रशिक्षण दिलवाएं ताकि वह विषम परिस्थितियों में अपनी आत्मरक्षा कर सके। उन्होंने कहा कि ताइक्वांडो लड़के और लड़कियों को प्रभावी आत्मरक्षा की तकनीकें सिखाता है, जिससे वे स्वयं की रक्षा कर सकें। ताइक्वांडो से बच्चों में आत्मविश्वास और मानसिक दृढ़ता मजबूत होती है। खासकर लड़कियों को आत्मरक्षा कौशल सीखने से वह अधिक सुरक्षित और सशक्त महसूस करती हैं।

विशिष्ट अतिथि गुरुनाथ यादव ने कहा कि ताइक्वांडो भी एक तरह का व्यायाम है जो बॉडी को शक्तिशाली, लचीलापन, संतुलित, गति और सहनशील बनाता है। ताइक्वांडो के नियमित प्रशिक्षण से मांसपेशियों का विकास होता है। हमारे हृदय का भी स्वास्थ्य बेहतर होता है और शरीर स्वस्थ रहता है। यह लड़कियों को सक्रिय रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है। विशिष्ट अतिथि क्षमा सिंह ने कहा कि अनुशासन, सम्मान, धैर्य और आत्म-नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण मूल्यों को ताइक्वांडो बढ़ावा देता है। लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने की प्रक्रिया लड़कियों में दृढ़ता और आत्मविश्वास का निर्माण करती है। विशिष्ट अतिथि विकास यादव ने प्रशिक्षण के दौरान एकाग्रता और ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता मानसिक स्पष्टता और फोकस में सुधार करती है। एकेडमी की डायरेक्टर श्वेता सिंह एवं प्रशिक्षक शिवम कौशिक ने अतिथियों का आभार प्रकट किया। श्वेता ने कहा कि ताइक्वांडो कक्षाएं एक सहायक और सकारात्मक वातावरण प्रदान करती हैं जहां लड़कियां खुद को अभिव्यक्त कर सकती हैं और अपनी क्षमताओं पर विश्वास कर सकती हैं। ताइक्वांडो लड़कियों को न केवल शारीरिक रूप से मजबूत बनाता है बल्कि मानसिक रूप से भी सशक्त बनाता है, उन्हें आत्मरक्षा कौशल सिखाता है ।आत्मविश्वास बढ़ाता है और एक सकारात्मक समुदाय का हिस्सा बनने का अवसर प्रदान करता है। इस दौरान सभी बच्चों ने अपना प्रदर्शन किया और आत्मरक्षा कैसे करें, यह दिखाया गया। सत्यदेव सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों ने सभी खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर अस्मी चौहान, अंश सिंह, अनंत मौर्या, अनन्या मौर्या, बुद्धांश, यश, विनायक विक्रम सिंह, सिद्धी, शिवांश, सान्वी, अद्रिती, शुभ्रा, प्रज्ञा, चांदनी, प्रियल, अव्या, आर्या, प्रियांशु कुशवाहा, प्रतीक, रूद्रांश, आशा समेत सभी खिलाड़ी मौजूद रहे।

14 से 28 अप्रैल तक ₹हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान₹ की टैगलाइन के तहत उत्सव के रूप में मनाया जायेगा डॉ0 भीमराव अंबेडकर का जन्मदिवस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन के निर्देश के क्रम में भारत रत्न बाबा साहब डॉ0 भीमराव अंबेडकर के जन्मदिवस को 14 अप्रैल से 28 अप्रैल 2025 तक ₹हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान₹ की टैगलाइन के अंतर्गत उत्सव के रूप में मनाया जाना है। 14 अप्रैल को बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के जन्म दिवस को राजकीय सम्मान के साथ धूमधाम से मनाए जाने के शासन के निर्देश के क्रम में एक दिन पूर्व जनपद में स्थापित भारत रत्न बाबा साहब की प्रतिमा के साथ-साथ अन्य महापुरुषों के प्रतिमा एवं पार्कों के साफ-सफाई हेतु वृहद स्तर पर अभियान चलाकर साफ सफाई कराई गई ।जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के कुशल मार्गदर्शन में जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा दरना, भागमलपुर, मोहम्मदपुर भटपुरा सहित समस्त ग्राम पंचायत में तथा अधिशासी अधिकारियों द्वारा गौराबादशाहपुर, खेतासराय, शाहगंज सहित समस्त नगर पंचायत, नगर पालिका, समस्त विकास खण्डों में अभियान चलाकर साफ सफाई कराई गई। अंबेडकर के जयंती पर सभी निकायों विकास खण्डों में कार्यक्रम स्थलों, पार्कों, स्मारकों, आदि पर साफ सफाई, स्वच्छता, सजावट, प्रकाश आदि की व्यवस्था की गई। यह स्वच्छता अभियान बाबा साहेब के प्रति सम्मान एवं स्वच्छ भारत अभियान की भावना को समर्पित रहा ।जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा भी स्वयं अधिकारियों के साथ अंबेडकर तिराहे पर स्थित डॉ0 भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के पास झाड़ू लगाकर साफ सफाई की गई तथा स्वच्छता का संदेश देते हुए कहा गया कि सभी लोग स्वच्छता हेतु श्रमदान करते हुए डॉ0 भीमराव अंबेडकर की जयंती को मनाए तथा उनके आदर्शों तथा उनके पदचिन्हो का अनुसरण करते हुए उनके नैतिक मूल्यों को आत्मसात करें। इस दौरान उन्होंने अंबेडकर जयंती के दृष्टिगत व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद जौनपुर को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, परियोजना निदेशक के के पांडेय, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी सहित अन्य उपस्थित रहे। 14 अप्रैल 2025 को बाबा साहब की जयंती के अवसर पर जनप्रतिनिधिगणों, अधिकारीगण, आम जनमानस की उपस्थिति में बाबा साहब डॉ0 भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा उनके जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके भारतीय स्वाधीनता आंदोलन को नई दिशा देने और नई गति देने तथा भारत के संविधान निर्माण में उनके अतुल्य योगदान को पूर्ण याद करते हुए उनके आदर्शों तथा नैतिक मूल्यों को आत्मसात किया जाएगा।

बाईपास सर्जरी के मरीज वजन उठाने से बचेः डा.नीरज प्रकाश सिंह

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। हृदय रोग संस्थान कानपुर के प्रख्यात हार्ट सर्जन एवं राजकीय कानपुर मेडिकल कॉलेज के हृदय रोग विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डा.नीरज प्रकाश सिंह ने कहा है कि जिन मरीजों की बाईपास सर्जरी हो जाती है ।उन्हे विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। बाई पास सर्जरी के तीन महीनों में वजन उठाने से परहेज करना चाहिए। 10 किलो से अधिक वजन कत्तई नहीं उठाना चाहिए। ऐसे मरीजों को करवट लेकर नहीं सोना चाहिए। चिकित्सक की सलाह पर उचित दवाये लेना चाहिए। शूगर और ब्लड प्रेषर नियत्रिंत रखना चाहिए। एसे मरीजों को आनाज के सेवन कम करना चाहिए, तेल और मशाला से परहेज करते हुए फल, सब्जी और सलाद अधिक मात्रा में लेना चाहिए। वे रविवार को नगर के एमएस पैरामेडिकल कालेज पालिटेकनिक चौराहा इलाहाबाद रोड पंजाब बैक के बगल में भारत समाज विकास ट्रस्ट द्वारा आयोजित निःशुल्क हृदय रोग के जांच शिविर के दौरान बड़ी संख्या में एकत्रित रोगियों को सम्बोधित कर रहे थे। एक सवाल के जबाब में उन्होने बताया कि वाल्ट ट्रान्सप्लाण्ट होने वाले मरीज को पानी को नियंत्रित मात्रा में सेवन करना चाहिए। नमक कम खाना चाहिए। खून को पतला करने वाली दवायें उचित मात्रा में लेना चाहिए। कम और ज्यादा मात्रा होने पर समस्या पैदा हो सकती है। इसमें लापरवाही न करें यदि कोई समस्या पैदा होती है तो चिकित्सक से तत्काल सलाह और नियमित दिनचर्या का पालन करें। चर्चा के दौरान कहा कि यदि किसी को सीढ़ी चढ़ने में सांस अधिक फूलती है पसीना आता है ।रात को नीद नहीं आती, सीने में दर्द होता है तो ब्लड प्रेशर और इसीजी कराकर डाक्टर को दिखाये। हार्ट के पेशेन्ट गर्मी में खास सावधानी बरते, हीट स्ट्रोक से बचे। तेज गमी में धूप में न निकले। शिविर में प्रोफेसर डा.नीरज प्रकाश सिंह ने कुल 89 मरीज देखे और परामर्ष दिया गया। हार्ट सर्जरी में गोल्ड मैडलिस्ट सर्जन ने शिविर में मेडिकल कालेज कानपुर से आपरेशन करा कर ओपेन हार्ट सर्जरी से जुड़े पुराने चार दर्जन से अधिक केस भी देखा। इस अवसर पर निःशुल्क इसीजी, आवश्यक खून की जांच गयी तथा दवायें वितरित की गयी। ट्रस्ट के पदाधिकारी ने बताया कि यह शिविर हर माह के दूसरे रविवार को निरन्तर लगता रहेगा।

फुले व डॉ अम्बेडकर जयंती पर हुआ रक्तदान शिविर का आयोजन

चिराना। कस्बे में स्थित मांगीलाल जी की धर्मशाला में द्वितीय विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। महावीर इंटरनेशनल वीर बहुजन सेवा केन्द्र के तत्वावधान में चान्दोलिया परिवार के द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले व संविधान निमार्ता डॉ भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में द्वितीय विशाल रक्तदान शिविर व हैल्थ चेकअप (फिटनेस) शिविर का आयोजन भी किया गया जिसमें वेलनेस कोच मुकेश शर्मा व ज्योति साहीवाल ने शिविर में कई जानो की जांच की। शिविर में उपस्थित प्रबुद्ध जनों व महावीर इंटरनेशनल ग्रुप के सदस्यों द्वारा विधिवत फीता काट कर शुभारंभ किया। महावीर इंटरनेशनल से जुड़े रक्तदाताओं ने बढ़ चढ़ कर रक्तदान किया जिनका संग्रहण सीकर की मेडिकल ब्लड टीमों द्वारा किया गया। रक्तदाताओं का महावीर इंटर नेशनल के सभी पदाधिकारियों व अतिथियों द्वारा हौसला अफजाई की गई और पधारें हुए सभी अतिथियों का चांन्दोलिया परिवार के द्वारा सम्मानित किया गया।इस बार इस मौके पर ग्राम में चल रही आंगनवाड़ी के बच्चों का पाठ्य सामग्री भी चांदोलिया परिवार द्वारा वितरित की गई। तेज प्रखर वक्ता के रूप में अपनी पहचान बना चुके गणेश पंवार ने रक्तदान पर शानदार स्पीच दिया जिस पर सभी करतल ध्वनियों से उसको दाद दी। इस दौरान ग्राम प्रशासक राजेंद्र सिंह शेखावत,नागर मल जांगिड़, महेश कुमार मुंड,मोहम्मद इकबाल,डॉ.प्रताप राम कुमावत,सुशील अग्रवाल,अनिल बारी, वीरेंद्र सिंह शेखावत, गोवर्धन सिंह,अध्यापक बिरजूराम कुमावत, संतोष कुमावत, बाबूलाल सैनी गौरी शंकर सैनी,मास्टर प्रभाती लाल सैनी,अमोलक पारमुवाल, प्रभुदयाल,भारत कुमावत,राधेश्याम राछोया,रामावतार कल्याण,रणजीत सिहोत्रा,शिव करण छीनवाल,बसेसर लाल अध्यापक, आनंद सिंह,संजय पाराशर सहित कई मातृशक्ति उपस्थित रही। केंद्र के चेयरमैन डॉक्टर राजेंद्र कुमावत ने कैंप को सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

जौनपुर के समाजसेवी निर्भय नारायण सिंह पटेल का मुंबई में सम्मान

मुंबई। उ.प्र.के पुर्व मंत्री स्व.वंशनारायण सिंह पटेल के सुपुत्र, निर्भय नारायण सिंह पटेल (मैनेजर लौह पुरुष सरदार पटेल बालिका इंटर कॉलेज, शेखु पुर, मडियाहूं,जौनपुर)के मुंबई आगमन पर केशव पाडा मुलुंड प. सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाज सेवक डॉ.बाबूलाल सिंह पटेल,रमाशंकर तिवारी (महासचिव समाजवादी पार्टी,मुंबई),डॉ.आर.एम.पाल,डॉ.सचिन सिंह (महासचिव उत्तर भारतीय सेल,महाराष्ट्र कांग्रेस), अजय केशव पटेल (ब्लाक अध्यक्ष भांडुप कांग्रेस), महेंद्र पटेल (शिक्षाविद),समाज सेवक अमर प्रसाद, धरम कनौजिया,मनोज सिंह ने शाल एवम पुष्पगुच्छ देकर निर्भय नारायण सिंह पटेल का सम्मान किया। निर्भय नारायण सिंह पटेल ने सभी समाज सेवको एवम नेताओं का मुंबई महानगरी में सम्मान प्रदान करने हेतु आभार प्रकट किया।

पत्रकार तारकेश्वर पांडेय के भतीजा का शुभ यज्ञोपवीत संस्कार मनाया गया

बिहार, सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज कॉपियां जागीर में पत्रकार तारकेश्वर पांडेय के भतीजा चिरंजीवी आशीष कुमार, सुपुत्र अखिलेंद्र पाण्डेय के शुभ यज्ञोपवीत संस्कार शुप्रसिद्ध ज्योतिष आचार्य पंडित विशेश्वर नाथ तिवारी के मुखारविंद द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा आज 14 अप्रैल सोमवार को किया जाएगा। इसके उपलक्ष्य में 24 घंटा अखंड भगवन नाम से कीर्तन का आयोजन किया गया । जिसमें प्रथम दिन (12/04/25) शनि बार को आए हुए मुख्य अतिथि बीजेपी सासंद माननीय जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, रणधीर सिंह (जेडीयू नेता) को पाण्डेय परिवार द्वारा अंग वस्त्र देकर, स्वागत सम्मान किया गया। मौके पे मंगल पाण्डेय जी, भारतीय सैनिक सवार्नंद पांडेय, मनीष पांडेय, अजय पांडेय, नवीन सिंह,सचिन दुबे, ईश्वर पाण्डेय पूर्व वार्ड पार्षद,नवीन पाण्डेय, प्रिंस सिंह, राहुल सिंह मंडल अध्यक्ष, नागेंद्र सिंह,आत्मा कुमार सिंह अध्यक्ष बाबा महेंद्र नाथ सेवा समिति, अमरजीत सिंह मंडल अध्यक्ष, त्रिपुरारी शरण सिंह, मनीष सिंह, संजय मिश्रा तथा आए हुए मेहमान वो ग्राम वासियों के साथ-साथ क्षेत्र के सभी सम्मानित जनता उपस्थित रहे।

स्थानीय लोगों ने सांसद धर्मेंद्र यादव का किया सम्मान

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ के सांसद धर्मेंद्र यादव का सम्मान स्थानीय लोगों ने किया। जिसमें मुख्य रुप से राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्र धारी यादव, उत्तर यादव युवा संघ सरायवादी प्रधान राम नवल यादव, पूर्व प्रधान सारी भाभी, फौजदार यादव, एडवोकेट हरविंदर यादव, महानगर गौरा के प्रधान हरेंद्र यादव, मेहनगर विधानसभा अध्यक्ष धनराज यादव, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष सुरनाथ यादव, आजमगढ़ के द्वारा सम्मान किया गया। जिसमें सांसद प्रतिनिधि विपिन ने अहम भूमिका निभायी। उत्तर यादव युवा संघ की तरफ से धर्मेंद्र यादव आजमगढ़ के लिए जो काम किया है वह सराहनी है। तरवा थाने में हुई सनी की हत्या में उमरी गांव निवासी को100000 का अनुदान उनके द्वारा दिया गय। इसके लिए बहुत-बहुत बधाई में पुनः आजमगढ़ के सांसद को पूरी आजमगढ़ की जनता की तरफ से आभार प्रकट किया।

केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह आज करेंगे 48वें इंडिया कार्पेट एक्सपो का आगाज

-सुरेश गांधी

वाराणसी। कारपेट इक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल (सीईपीसी) के तत्वावधान में 14-17 अप्रैल तक भारत मंडपम (प्रगति मैदान), नई दिल्ली के हाल नं. 01 में इंडिया कार्पेट एक्सपो के 48वें संस्करण का आयोजन होगा। इसके लिए स्पेस की बुकिंग हो गयी है। एक्सपो का उद्घाटन 14 अप्रैल को दोपहर 2 बजे केन्द्रीय वस्त्र मंत्री, भारत सरकार गिरिराज सिंह द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर टैक्सटाइल सेक्रेटरी श्रीमती नीलम शमी राव एवं हस्तशिल्प विकाश आयुक्त श्रीमती अमृत राज मौजूद रहेंगी। इस अंतर्राष्ट्रीय कालीन मेले में 68 देशों से लगभग 510 विदेशी खरीददारों के साथ लगभग 400 विदेशी खरीददारों के प्रतिनिधियों ने अपना पंजीकरण कराया है। इस एक्सपो में निर्यातकों द्वारा जबरदस्त प्रक्रिया मिली, जिसमे 160 निर्यातकों ने इस एक्सपो में प्रतिभाग किया है।

मकसद : एक ही छत के नीचे हैंडमेड कारपेट सहित अन्य हस्तनिर्मित कालीनों की प्रदर्शनी के

जरिए सात समुंदर विदेशी ग्राहको को लुभाना। कालीन निर्यात संबर्धन परिषद् अध्यक्ष कुलदीप राज वट्टल ने बताया कि इस फेयर में अमेरिका यूरोप सहित 68 देशों के लगभग 500 विदेशी खरीदार एवं उनके प्रतिनिधि भाग लेंगे। जबकि देश के कश्मीर, जयपुर, पानीपत, बीकानेर, आगरा, भदोही, मिजार्पुर और वाराणसी सहित अन्य कालीन परिक्षेत्रों के 160 से अधिक कालीन निर्यातक अपने स्टालों पर रंग-बिरंगी हस्तनिर्मित कालीनों को प्रदर्शनी लगायेंगे। सीईपीसी द्वारा कुछ चुनिन्दा देशों में से कुल 210 चुनिंदा विदेशी खरीदारों को 700.00 और अन्य दूसरे देशों के खरीदारों के लिए 500.00 की हवाई यात्रा प्रतिपूर्ति तथा दिल्ली में स्थित 5 स्टार होटल में 2 रातों तक होटल में ठहरने की सुविधा एवं होटल से मेला स्थल तक और मेला स्थल से होटल तक शटल सेवा की सुविधा उपलब्ध कराया जायेगा।

उन्होंने कहा कि देशभर के कालीन निर्यातकों के लिए यह कारपेट फेयर वरदान साबित होगा। उनका कहना है कि इस फेयर में भारतीय निर्यातकों को एक ही छत के नीचे कालीन से जुड़े हर तरह के हस्तशिल्प उत्पादों को बेचने का मौका मिलेगा। इसके अलावा मेले में उभरते हुए उद्यमियों एवं स्टार्टअप उद्यमियों को खास अवसर दिया गया है। ताकि उनके उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय मंच मिल सके। उनका कहना है कि हस्तनिर्मित कालीनों व अन्य फर्श कवरिंग को बढ़ावा देने के लिए यह आयोजन हर साल किया जाता है। यह कार्पेट एक्सपो एशिया उपमहाद्वीप में सबसे बड़े हस्तनिर्मित कालीन मेलों में से एक है जहां विदेशी खरीदारों को एक छत के नीचे देश में बने हस्तनिर्मित कालीनों का संग्रह मिलता है। इंडिया कार्पेट एक्सपो ने दुनिया भर के खरीदारों से अपने बढ़ते संरक्षण के साथ खुद को एशिया के सबसे बड़े हस्तनिर्मित कालीन शो के रूप में स्थापित किया है। यह एक्स्पों निर्यातकों के लिए जबरदस्त व्यावसायिक अवसर प्रदान करता है, क्योंकि दुनिया भर से विभिन्न प्रमुख विदेशी हस्तनिर्मित कालीन खरीदार इस एक्सपो में भाग लेते हैं.

इन देशों की होगी भागीदारी

मेले में कुल 68 देशों के खरीदार पहुंच रहे हैं। उनमे अमेरीका, फ्रांस, जर्मनी, इंग्लैंड, तुर्किये, चीन, ऑस्ट्रेलिया, जापान, ब्राजील, बेल्जियम, इरान, डेनमार्क, कोलंबिया, अफगानिस्तान, अल्जीरिया, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रिया, बांग्लादेश, बुल्गारिया, चिली, फिनलैंड, घाना, हंगरी, जापान, जॉर्डन, मैक्सिको, नॉर्वे, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, ताइवान, ट्यूनीशिया आदि देशों के आयातक शामिल हैं।

तुर्थ हनुमान जन्मोत्सव पर हनुमान चालीसा पाठ से गूंजा पटना

पटना। कीजो केसरी के लाल मेरा छोटा सा यह काम, मेरी राम जी कह देना जय सियारामश जैसे गीतों से हनुमान जन्मोत्सव समारोह में उपस्थित भक्तों की टोली झूम उठी। पटना के कंकड़बाग का इलाका जय बजरंग बलि नारों से गुंजायमान रहा। चतुर्थ हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में हिंदू सेवा समिति, बिहार द्वारा कंकड़बाग टेम्पू स्टैंड चौराहा पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक के प्रांतीय प्रचारक उमेश कुमार, प्रांतीय सेवा प्रमुख अंजनी कुमार, बीजेपी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी और समिति के संरक्षक संजय मयूख, विधायक अरुण कुमार सिन्हा सहित कई अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे। समिति के अध्यक्ष दीपक कुमार अग्रवाल ने आगत अतिथियों का स्वागत प्रतीक चिन्ह और अंगवस्त्र देकर किया। विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने कहा कि हनुमान जी की भक्ति, उनका आत्म-नियंत्रण और उनका निस्वार्थ सेवा भाव हमें यह सिखाते हैं कि सच्ची श्रद्धा और समर्पण से कोई भी कार्य असंभव नहीं होता। मंत्री मंगल पांडे ने कहा कि हनुमान जन्मोत्सव न केवल पूजा-पाठ का दिन है, बल्कि आत्मचिंतन का भी अवसर है। जब लक्ष्मण जी मूर्छित हो गए, तब संजीवनी बूटी लाने का उनका साहसिक कार्य हम सबको याद है।

मनपा में अंबेडकर जी की प्रतिमा स्थापित होने तक जारी रहेगा संघर्ष : आर. एन. यादव

नवी मुंबई महानगर पालिका में अंबेडकर जी की प्रतिमा लगाने को लेकर निकाला गया मोर्चा

नवीं मुंबई (उत्तरशक्ति)। संविधान निमार्ता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को लेकर तमाम राजनीतिक पार्टियों व सामाजिक संगठन अपनी राजनीत चमकाने के लिए उनके नाम का इस्तेमाल करते रहते हैं। लेकिन महानगर पालिका नवीं मुंबई में आज तक बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की स्थापना नहीं की जा सकी। जबकि देखा जाए तो तमाम ऐसी सरकारी संस्थाओं में अंबेडकर जी की प्रतिमा स्थापित की जा चुकी है। लेकिन यहां पर आज तक अंबेडकर जी की प्रतिमा स्थापित नहीं हो सकी। इसी को लेकर समाजवादी पार्टी के नवीं मुंबई अध्यक्ष आर एन यादव के नेतृत्व में 11 अप्रैल को एक विशाल मोर्चा निकाला गया तथा महानगर पालिका आयुक्त को ज्ञापन सौपा गया। आयुक्त पलांडे ने ज्ञापन को स्वीकार करते हुए कहां की आपलोग की मांग का हम उच्च अधिकारियों तक पहुंचा कर आपकी मांगों का मकसद पूरा करने का प्रयास करूंगा। विशाल मोर्चा को संबोधित करते हुए श्री यादव ने कहा कि महानगर पालिका नवीं मुंबई बने लगभग 33 साल हो गए। यहां पर अंबेडकर जी की प्रतिमा स्थापित करने को लेकर कोई भी राजनीतिक या सामाजिक संगठन आगे नहीं आया। जबकि हमारा देश बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के द्वारा लिखे गए संविधान पर चल रहा है। उन्होंने कहा कि अंबेडकर जी की प्रतिमा महानगरपालिका कैंपस में स्थापित करने को लेकर समाजवादी पार्टी व उसके सहयोगी संगठन ने बीड़ा उठाया है और जब तक प्रतिमा स्थापित नहीं हो जाती तब तक हमारा यह संघर्ष सहयोगी संस्था घर हक्क संघर्ष समिति के साथ जारी रहेगा। घर हक्क संघर्ष समिति के खाजामियां पटेल ने कहा कि स्थानीय नेताओं और प्रशासन की निष्क्रियता का परिणाम है कि आज तक महानगरपालिका में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा नहीं लग सकती। इस विशाल मोर्चे में खाजामियां पटेल, लालचंद यादव, चंद्रशेखर यादव, रामलाल यादव, जितेंद्र यादव सहित सैकड़ो की संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया।

मिसेज ग्लोबल बिहार के ग्यारहवें सीजन का ग्रैंड फिनाले संपन्न

पटना। रंग-बिरंगी जगमग रौशनी के बीच जैसे हीं मॉडल्स ने अपनी प्रस्तुति देनी शुरू की वैसे ही सारा हॉल तालियों की गरगराहट से गूंज उठा। मौका था ब्रांड एनसी एवं नारी नीति फाउंडेशन इंडिया द्वारा पाटलिपुत्र कॉलोनी स्थित होटल द औरम में आयोजित मिसेज ग्लोबल बिहार सीजन- 11 के ग्रैंड फिनाले का। कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत मुख्य अतिथि पटना की मेयर सीता साहू, शंशांक शेखर, श्रीपति त्रिपाठी, नीतू नवगीत, अरुणोदय, मृत्युंजय सिंह, सुषमा साहू, राजकुमार नाहर व फैशन डिजाइनर सह शो डायरेक्टर नीतीश चंद्रा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर की। कार्यक्रम की शुरूआत फिनाले के लिए चयनित मिसेज श्रेणी के 10 प्रतिभागिओं द्वारा पहले राउंड यानी एथनिक राउंड से हुई जिसमें सभी प्रतिभागियों ने भारतीय परिधान में अपना जलवा बिखेरा। इस राउंड के साथ ही प्रतिभागियों ने अपना इंट्रो दिया।

नागरी लिपि परिषद और रचना दर्शन की अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

नई दिल्ली। नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली के 50 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में नागरी लिपि परिषद बिहार इकाई और रचना दर्शन बिहार के संयुक्त तत्वावधान में आनलाइन अंतरराष्ट्रीय आभासी नागरी लिपि संगोष्ठी का भव्य आयोजन 10 अप्रैल 2025 को किया गया।संगोष्ठी का विषय' वैश्विक परिदृश्य में नागरी लिपि की भूमिका' पर सराहनीय परिचर्चा हुई।संगोष्ठी की अध्यक्षता डॉ.भगवती प्रसाद निदारिया (पूर्व उपनिदेशक भाषा, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय,भारत सरकार) द्वारा किया गया।कार्यक्रम के आयोजक डॉ.हरि सिंह पाल (महामंत्री,नागरी लिपि परिषद नई दिल्ली) थे।कार्यक्रम का खूबसूरत संचालक उत्कृष्ट लेखिका व संयोजक रजनी प्रभा (संस्थापिका-रचना दर्शन) ने किया।कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना से हुई। इसके बाद स्वागत भाषण डॉ.रूबी भूषण, साहित्यकार,पटना द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता के रुप में डॉ.अरुण कुमार पासवान, (पूर्व सहायक निदेशक (कार्यक्रम), आकाशवाणी) नई दिल्ली ने नागरी लिपि के उपर बेहद ज्ञानवर्धक एवं रोचक बातें रखी। डॉ.जयकृष्ण मिश्रा चैतन्य, दुबई (अंतरराष्ट्रीय संरक्षक/ समन्वयक, रचना दर्शन) वक्ता के रुप में दुबई से शामिल हुए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने अनुभव को साझा किया।अध्यक्ष महोदय का नागरी लिपि पर शानदार भाषण हुआ।डॉ.हरिसिंह ने अपने उद्बोधन में नागरी लिपि की स्थापना कैसे हुई और किस प्रकार इसका पूरे विश्व में विस्तार हो रहा है इसकी पूरी जानकारी दी।उपस्थित साहित्यकारों में अंजू शर्मा,अनिल मिश्रा, कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप मुंबई, दिवाकर विद्यार्थी, धीरेंद्र श्रीवास्तव, डॉ अशोक अभिषेक, डॉक्टर चंद्रशेखर सिंह, दुर्गावती भारतीय, गंगा प्रसाद यादव, ताबा याम, अंजू शर्मा, अंशु कुमारी, डेनियल राजेश, राजेंद्र आर्य, प्रियवंदा मिश्रा, रुबी भूषण सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ.नूरजहां रहमतुल्लाह पुणे द्वारा किया गया।

मुख्याध्यापक, शिक्षक एवं कर्मचारियों के लिए ईद मिलन का आयोजन

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका शिक्षण विभाग एफ उत्तर विभाग में सर्व धर्मिय मुख्याध्यापक , शिक्षक एवं कर्मचारियों के लिए ईद मिलन का आयोजन किया गया। पारनेर के सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. रफिक सय्यद ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि हम सभी एक ही ईश्वर की संतान हैं।मोहम्मद पैगंबर एवं संत तुकाराम के साहित्य हमें एक सूत्र में बाधते हैं। डॉ. सय्यद के भावनात्मक विचार सुनकर सभी मंत्रमुग्ध हो गये।उन्होंने रोजा और एकादशी व्रत के बारे में बोलते हुए कहा कि -व्रत का अर्थ केवल शरीर को कष्ट देना नहीं है। रोजा या एकादशी केवल शरीर के लिए ही नहीं होता है बल्कि यह आंख , कान,हाथ, पैर के लिए भी होता है। हराम की कमाई क्या है ? यह भी उन्होंने योग्य पद्धति से बताया।वर्तमान परिस्थिती में समता एवं बंधुता समस्त मानव जाति में आये इस हेतु हम सभी को प्रयत्न करते रहना चाहिए। इस कार्यक्रम का आयोजन शिक्षण विभाग के प्रशासकीय अधिकारी किसनराव पावडे पाटील ने किया।

इस अवसर पर बौद्ध धर्म के प्रचारक - प्रसारक व सुप्रसिद्ध पत्रकार विजय झिमूर एवं उनकी पत्नी श्रीमती झिमुर, हभप. अशोक महाराज हांडे देशमुख, माणुसकीच्या शाळा के संस्थापक मारुती शेरकर, विभाग निरीक्षक अलमास शेख, निरीक्षक शाळा पूजा पाटील, कव्युम तडवी, साउथ इंडियन समाज के केनेडी, पत्रकार पानसरे, मुख्याध्यापिका रुक्सार खान सभी मुख्याध्यापक एवं शिक्षक उपस्थित थे।इस कार्यक्रम के आयोजन को सफल बनाने हेतु शोएब, वसीम, झीशान, शब्बीर एवं सभी उर्दू माध्यम के युवा, तेज तर्रार शिक्षकों ने किया। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन साहित्यिक एवं मुख्याध्यापक मारुती शेरकर ने अपनी आकर्षक शैली में किया।

इंडिया कार्पेट एक्सपो से कारपेट इंडस्ट्री को मिलेगी ऊंचाइयां : उमेश गुप्ता

भदोही। कालीन निर्यातक संवर्धन परिषद (सीईपीसी) की ओर से आयोजित चार दिवसीय इंडिया कार्पेट एक्सपो की पूर्व संध्या पर निर्यातकों ने कहा, इस मेले से कालीन उद्योग को नयी ऊंचाइयां मिलेगी। डोमोटेक्स निरस्त होने का भी फायदा इस मेले में स्टॉल लगाने वाले निर्यातकों को मिलेगा। इसकी बड़ी वजह है कि बड़ी संख्या में विदेशी आयात भारत पहुंच चुके है। दावा है कि इस चार दिनों में 500 करोड़ से ज्यादा कारोबार होने की उम्मीद है। इससे सीईपीसी के प्रशासनिक समिति के सदस्य भी काफी उत्साहित थे। उनका कहना है कि इस बार बीते साल की अपेक्षा ज्यादा आयातकों ने पंजीकरण कराया है। हालांकि सीईपीसी के अनुसार फेयर में आने वाले आयातक यहां से जाने के बाद तमाम आर्डर देते हैं। लेकिन फिर भी आने वाले चार से पांच महीने में फेयर से 400 से 500 करोड़ का कारोबार में परिवर्तित होगा। प्रशासनिक समिति के सदस्य मो. वासिफ अंसारी, अनिल कुमार सिंह, असलम महबूब, रोहित गुप्ता, व दीपक खन्ना ने बताया कि मेला इस बार अच्छा होगा। पूरे देश से भदोही परीक्षेत्र में सबसे अधिक कालीन का निर्यात होता है. इस मेले में भारत में आने वाले विदेशी कालीन खरीदारों के बीच भारतीय हस्तनिर्मित कालीनों और अन्य फर्श कवरिंग की सांस्कृतिक विरासत और बुनाई कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इंडिया कार्पेट एक्सपो द्वारा किया जाता है। इस आयोजन से कारपेट एक्सपोर्ट और तेज गति पकड़ेगा. भदोही खुद को दुनिया भर के कालीन खरीदारों के लिए एक महान सोर्सिंग प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित किया है. इस एक्पो के माध्यम से भारतीय कालीन की मांग बढ़ेगी। सीईपीसी के पूर्व सीनियर प्रशासनिक सदस्य उमेश गुप्ता ने बताया की इस फेयर से निर्यातकों एवं बुनकरों को बेहद लाभ मिलेगा. फेयर में महिला निर्यातकों ने भी स्टाल लगाए हैं।

मुंबई की झोपड़पट्टी से लोकतंत्र के मंदिर तक : एक चौकीदार के बेटे की प्रेरणादायक यात्रा

नई दिल्ली। भारत के संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की ताकत का जीता-जागता उदाहरण हैं अमरजीत सिंह, जिन्होंने मुंबई की झोपड़पट्टियों में पले-बढ़े होने के बावजूद राज्यसभा इंटर्नशिप प्रोग्राम जैसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया है। उन्हें यह प्रमाणपत्र भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ जी के हाथों नई दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति भवन में प्रदान किया गया। अमरजीत की यह कहानी केवल एक व्यक्तिगत सफलता नहीं है, बल्कि यह संघर्ष, आशा और दृढ़ संकल्प की प्रतीक है। एक ऐसे परिवार में जन्मे जहां उनके पिता चौकीदार की नौकरी करते थे, अमरजीत ने बलिदान, कठिन परिश्रम, सामाजिक प्रतिबद्धता और लोकतांत्रिक मूल्यों में अडिग विश्वास के बल पर संसद तक की यात्रा तय की। यह यात्रा आसान नहीं थी, अमरजीत कहते हैं, लेकिन भारत का संविधान अंतिम व्यक्ति को भी सपने देखने और उन्हें पूरा करने की ताकत देता है। उनके ये शब्द पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी, डॉ. भीमराव आंबेडकर जी, और कांशीराम जी के उन सपनों की याद दिलाते हैं, जिन्होंने एक ऐसे भारत की कल्पना की थी जहां हाशिए पर खड़ा व्यक्ति भी संसद तक पहुंच सके। एल.एस. रहेजा कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स (मुंबई विश्वविद्यालय) से वाणिज्य में स्नातकोत्तर करने के बाद, उन्होंने भारतीय जनतांत्रिक नेतृत्व संस्थान (रंभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी) से राजनीति, नेतृत्व और सुशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा भी प्राप्त किया है। वर्तमान में वे सीए फाइनल की तैयारी कर रहे हैं। इसके साथ ही वे पिछले सात वर्षों से झुग्गी बस्तियों के गरीब छात्रों के लिये कार्य कर रहे हैं। उनके प्रयासों से सैकड़ों बच्चों को शिक्षा, आत्मविश्वास और बेहतर भविष्य की दिशा मिली है। मेरे लिए शिक्षा ही संघर्ष से बाहर निकलने का रास्ता बनी, और मैं चाहता हूं कि यही रास्ता दूसरों के लिए भी खुले, वे कहते हैं। अमरजीत अपनी सफलता का श्रेय विश्व हिंदू परिषद के महाराष्ट्र-गोवा क्षेत्रीय प्रमुख नरेश पाटिल को देते हैं और उन्हें अपने जीवन का मार्गदर्शक और प्रेरणास्त्रोत मानते हैं। उनके शब्दों में, यह सिर्फ मेरी नहीं, बल्कि भारत की बस्तियों में रहने वाले हर अनदेखे, अनसुने बच्चे की यात्रा है। आज मैं लोकतंत्र के मंदिर में एक दर्शक नहीं, बल्कि उम्मीद का प्रतिनिधि बनकर दाखिल हुआ हूं। निस्संदेह, अमरजीत की यह यात्रा भारतीय लोकतंत्र की गहराई और संविधान की शक्ति का प्रमाण है, जो हर अंतिम व्यक्ति को असंभव लगने वाले सपनों को हकीकत में बदलने की ताकत देता है।

वक्फ की जमीन पर भूमाफियाओं ने किया कब्जे का प्रयास, पुलिस प्रशासन ने भोर में रुकवाया कार्य

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।वक्फ संशोधन बिल संसद में पास होने के बाद कानून का रूप ले चुका है। ऐसे में जिले में भूमाफियाओं की सक्रियता एक बार फिर बढ़ गई है। ताजा मामला नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के हमाम दरवाजा स्थित वक्फ बिक्कानी बीबी 301 ए अराजी नंबर 17 की जमीन पर रविवार की भोर में 4 बजे कब्जा करने का प्रयास एक बार फिर किया गया। हालांकि मुतवल्ली सै. मो. हसन नसीम ने तत्काल इसकी सूचना 112 से पुलिस को दी और शहर कोतवाल मिथिलेश मिश्रा को भी इसकी सूचना देकर काम रोकवा दिया।गौरतलब है कि इससे पूर्व

30 दिसंबर 2023 को भी कड़ाके की ठंड में सुबह बड़ी संख्या में मौजूद भूमाफियाओं ने इस जमीन पर कब्जा करने का प्रयास आधुनिक मशीन के जरिए बाउंड्री कराकर किया था। तब भी तत्कालीन जिलाधिकारी अनुज कुमार झा के निर्देश पर सिटी मजिस्ट्रेट ने इस कार्य को रोकवाते हुए जांच के आदेश दिए थे। शहर कोतवाल मिथिलेश कुमार मिश्रा ने दोनों पक्षों को बुलाकर काम न करने का निर्देश दिया था लेकिन वक्फ संशोधन बिल जैसे ही कानून का रूप लिया भूमाफियाओं की बेचैनी बढ़ गई और साजिश के तहत इन लोगों ने रविवार की सुबह हजारों की संख्या में ट्रैक्टर पर ईंटों को मंगाकर भोर में 4 बजे से जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया। इस संबंध में मुतवल्ली सै. मो. हसन नसीम ने बताया कि यह जमीन वक्फ बोर्ड में दर्ज है और इससे पूर्व जिसने भी इस जमीन की रजिस्ट्री कराई वक्फ बोर्ड के शिकायत पर शासन द्वारा जांच की गई और रजिस्ट्री को रद्द भी किया जा चुका है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर रात के अंधेरों में भूमाफिया इस जमीन पर कब्जा क्यों करना चाहते हैं। उन्हें कहीं यह डर नहीं सता रहा है कि यह जमीन समाज के कल्याण के लिए स्कूल, हॉस्पिटल या अन्य कार्यों में उपयोग के लिए तो नहीं किया जा सकता। ऐसे में उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजकर भूमाफियाओं के विरूद्ध कार्रवाई करने की मांग किया है।